रायपुर। शुक्रवार, 06 नवम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 95/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

TATA की पेशकश

TANISHQ
Adhyantara
ब्रह्मांड का अद्भुत चमत्कार, कारिगरी से साकार।



₹301 की छूट*
प्रति ग्राम गोल्ड ज्वेलरी पर

20% तक की छूट*
गोल्ड ज्वेलरी के बनवाई शुल्क
और डायमंड के मूल्य पर



आपकी जीत।
भारत की जीत।

सोना एक्सचेंज करने की पारदर्शी प्रक्रिया जो आपको अपने पुराने सोने का बेहतरीन मूल्य देती है और भारत को सोने का आयात कम करने में मदद करती है।

—WIN-WIN—
EXCHANGE

0%
फ्लैट 0% कटौती*
किसि भी ज्वेलर से लिए गए पुराने
सोने (18 कैरेट और उससे अधिक)
के एक्सचेंज पर

- कोई छिपी कटौती नहीं
- साल भर एक्सचेंज की सुविधा
- नए और अनोखे डिज़ाइनों में अपग्रेड करें
- शादी, त्यौहारों और खास मौकों के लिए एक्सचेंज करें

गोल्ड रेट प्रोटेक्शन - पहले से बुक करवाइए और सोने की बढ़ती दर के प्रति सुरक्षित रहिए*

Embassy

UP TO ₹7,500 INSTANT DISCOUNT# SBI card
#Min. Trxn.: ₹1,00,000. Valid on one transaction per card.
Validity: 02 Nov - 08 Nov 2026. T&C Apply.

Talk to our jewellery expert to know more 1800 2966 677
Buy online at tanishq.co.in or Download our App *Conditions apply.

शोरूम: पंडरी– अटल एक्सप्रेस हाइवे के पास, मेन रोड पंडरी, रायपुर. टेली. 0771-4222333
जी.ई. रोड – शहीद स्मारक बिल्डिंग, जी.ई. रोड, रायपुर. टेली. 0771-4098181
राजेन्द्र नगर – रिंग रोड नं. 1, पीडब्लूडी ब्रिज के पास, राजेन्द्र नगर, रायपुर. मो. 7772812626

Scan for an immersive cosmic experience

पत्रकार अशोक व्यास की पुस्तक 'एक पत्नी पर पुस्तक क्यों?' को छत्तीसगढ़ राज्य की पहली पुस्तक का अवॉर्ड

विश्व केसरी■

नरियरा (अशोक व्यास)। पत्रकार अशोक व्यास की पुस्तक 'एक पत्नी पर पुस्तक क्यों?' को छत्तीसगढ़ राज्य की पहली पुस्तक का अवॉर्ड दिया गया है। सोमवार 2 नवंबर को बुक्स क्लिनिक में आयोजित एक कार्यक्रम में व्यास को यह अवॉर्ड दिया गया।

अवॉर्ड देते हुए बुक्स क्लिनिक के डायरेक्टर हितेश सिंह बिसेन ने कहा कि पत्नी पर लिखना अपने आप में अद्भुत कार्य है। पुरुष प्रधान समाज में हम पत्नी को बराबरी का दर्जा देने की बात तो करते हैं पर आज तक पत्नी पर पुस्तक का न होना बराबरी के दर्जे की बात को झुठलाता है।

उन्होंने कहा कि इस पुस्तक में जिंदगी के सफर की एक ऐसी कहानी है जो आपकी है, हमारी है



और हमारे जैसे लाखों मध्यमवर्गीय परिवार के महिलाओं की है जिन्हें समस्याओं से रोज दो – चार होना पड़ता है। यह पुस्तक बताती है कि हर व्यक्ति को अपनी पत्नी का सम्मान क्यों करना चाहिए ? बबीता इस सफर के कहानी की केंद्र बिंदु है, कहानी का एक पात्र है जो हमें यह सिखाती है कि समस्याओं का सामना कैसे करना है? इन कहानियों में साहस है, प्यार है, समर्पण है, त्याग है, अपनापन है, यात्रा है, झगड़े हैं, चमत्कार है, प्रतिभा है, ज्ञान है, दान है, विद्या है।इस मौके पर बुक्स क्लीनिक के डायरेक्टर हितेश सिंह बिसेन, मैनेजर – पवन शर्मा, साक्षी व्यास, रजनी केशरवानी, पल्लवी पाण्डेय, राजेश कुमार बंजारे, कलप सिंह, आशीष धुरी,लव थवाईत, गीतेश प्रकाश, भूमिका साहू, रोशनी मसीह, दिव्या सिंगरौल, मानसी पटेल,ओजस वस्त्राकर,अनुराग रजक,भूमिका राठौर, नीलम विंध्यराज के अलावा बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

जांजगीर-चांपा की ज्योति सोनी ने हासिल किए दो स्वर्ण पदक, मिली प्रशंसा

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन का लोहा मनवाते हुए जांजगीर-चांपा जिले की ज्योति सोनी ने शानदार उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बी.लिब. और एम.लिब. दोनों पाठ्यक्रमों में प्रथम स्थान प्राप्त कर दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। उनकी इस गौरवपूर्ण सफलता से न केवल परिवार, बल्कि पूरे जांजगीर-चांपा जिले का मान बढ़ा है।

पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह में ज्योति सोनी को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। 03 नवंबर 2025 को आयोजित इस समारोह में छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका की गरिमामयी उपस्थिति रही। साथ ही प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विधायकगण,



जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्यजन भी उपस्थित रहे।

दो पाठ्यक्रमों में प्रथम स्थान, मेहनत को मिला सम्मान

ज्योति सोनी, स्वर्गीय लीलाम्बर प्रसाद सोनी की पुत्रवधू एवं तनेन्द्र कुमार सोनी की पत्नी हैं। उन्होंने बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (बी.लिब.) तथा मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस (एम.लिब.) दोनों पाठ्यक्रमों में प्रथम स्थान हासिल कर यह उपलब्धि अर्जित की है।

दोनों पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन उनकी निरंतर मेहनत, अनुशासन, लगन और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उनकी यह सफलता दर्शाती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और निरंतर परिश्रम के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

जिले की बेटियों और विद्यार्थियों के लिए बनीं प्रेरणास्रोत

श्रीमती ज्योति सोनी की इस उपलब्धि से जिले में हर्ष और गौरव का माहौल है। उनकी सफलता विशेष रूप से उन छात्राओं और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है, जो शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपनी पहचान बनाना चाहते हैं।

महानदी मीडिया क्लब के पदाधिकारियों ने विधायक शेषराज हरवंश से की सौजन्य मुलाकात



विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण के पदाधिकारियों ने पामगढ़ विधायक शेषराज हरवंश से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान क्लब के उपाध्यक्ष गौरव रायसागर ने ग्राम कचंदा में आयोजित होने वाले लक्ष्मी पूजा कार्यक्रम में विधायक महोदया को विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया।

विधायक शेषराज हरवंश ने आमंत्रण के लिए महानदी मीडिया क्लब के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में पहुंचने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने क्लब के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को दीपावली पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर महानदी मीडिया क्लब शिवरीनारायण के अध्यक्ष उग्रेश्वर गोपाल केवट, उपाध्यक्ष गौरव रायसागर, सचिव नीरज शर्मा, कोषाध्यक्ष भरत आदित्य ,सलाहकार श्याम कर्ष, सह सचिव संतराम साहू, सदस्य विनोद साहू एवं खगेंद्र साहू, विधायक प्रतिनिधि नीरज खूंटे तथा घासीराम चौहान उपस्थित रहे।

चित्रकूट और तीरथगढ़ जलप्रपात का मनोरम दृश्य देखकर प्रभावित हुए छात्र-छात्राएं

महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के पत्रकारिता संकाय के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय गांधी चौक रायपुर के पत्रकारिता संकाय के छात्र-छात्राओं का एक समूह 2 नवंबर की देर रात 11:00 बजे शैक्षणिक प्रमाण पर बस्तर के लिए रवाना हुआ यहां पर छात्र-छात्राओं ने विभाग अध्यक्ष डॉ राम प्रसाद दुबे एवं प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी के मार्गदर्शन में तीन स्थानों का भ्रमण किया।

इसमें चित्रकूट जलप्रपात तीर्थंकर जलप्रपात एवं दंतेवाड़ा की मां दंतेश्वरी के दर्शन प्राप्त किया इन तीनों ही स्थान पर 25 से अधिक छात्र-छात्राओं के समूह ने नैसर्गिक रूप से प्राकृतिक सुंदरता मनोरंजन दृश्य और अद्भुत मौसमी बनावट का मजा लिया छात्र-छात्राओं ने पूजा टूर एंड ट्रेवल्स की बस के



माध्यम से यह यात्रा को 24 घंटे में पूरी की इस दौरान बस के सफर में छात्रों की अपनी मस्तियां स्वभाव के अनुरूप रही।

जिसमें अंताक्षरी और रिपोर्टिंग के टिप्स अनुभवी पत्रकार जितेंद्र साहू धमतरी के माध्यम से संपादित किए गए वातावरण इतना अच्छा था की अनुभवी पत्रकार हिमांशु लोकेश्वर, यज्ञ सिंह ठाकुर, आकाश पांडे, नैलेश जगत, सुशील जगत के उपस्थिति में नवोदय छात्र-छात्राओं ने अपने को और भी उत्साह में पाया और मस्तियां की जगदलपुर पहुंचने पर आकाश होटल में छात्र-छात्राओं के दल को 2 घंटे का विश्राम मिला यहां पर वरिष्ठ पत्रकार अर्जुन कुमार झा, अग्रवाल के उपस्थिति में भी अनुभव के लाभ को पाया गया।

मां दंतेश्वरी के दर्शन के बाद छात्रों में धार्मिक समर्पण की भी भावना को एक अलग ही रूप में देखा गया जिस छात्र-छात्राएं उत्साह जनक और रोमांच से भरी बताते हैं यहां तक की दोनों जलप्रपात की अनोखे और सुंदर दृश्य में भी छात्रों ने अपने आप को ढाल कर उत्साह की अंतिम बिंदु तक मस्तियां की अनुशासन मैं रहकर छात्र-छात्राओं ने तीरथगढ़ के एक ढाबे में शानदार देसी व्यंजनों का भी मजा लिया जो उन्हें इस दौरे का सबसे अद्भुत पल लगता है, कुल मिलाकर छात्र-छात्राओं ने आपस में इस यात्रा को मेमोरेबल बताते हुए यह कहा है कि पत्रकारिता ने जीवन के चंद घंटे शानदार रहे।

समाज को एक करने का संकल्प स्वयं लेना होगा - भूपेश बघेल

कोसला में सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण एवं भवन का लोकार्पण



विश्व केसरी■

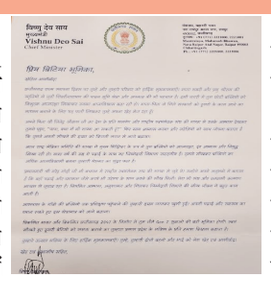
पामगढ़ (नीरज शर्मा)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर कुर्मी समाज द्वारा कोसला में निर्मित सरदार वल्लभभाई पटेल भवन एवं उनकी भव्य प्रतिमा का अनावरण पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का देश की आजादी में अतुलनीय योगदान है। उन्होंने 565 छोटे-छोटे रियासतों को एक करके एक नए भारत का निर्माण किया। उन्होंने सभी किसानों को संगठित कर अंग्रेजी टैक्स की अवहेलना भी की और सभी को संगठित होना सिखाया। हमें भी बिखरे हुए समाज को संगठित करने का संकल्प स्वयं लेना होगा।कार्यक्रम को जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, जिला पंचायत सदस्य ज्योति किशन कश्यप, दिनेश शर्मा, मंजू सिंह, रवि भारद्वाज भी मंचस्थ थे। कार्यक्रम में स्वागत भाषण व्यास वर्मा एवं संचालन उदल कश्यप ने किया। इस अवसर पर कुर्मी समाज के प्रमुख रामप्रसाद कुर्मी, फिरतराम कुर्मी, राजाराम कश्यप, राजकुमार कश्यप, देवी प्रसाद कौशिक, रूपेश कश्यप, रवि वर्मा, दिलीप कश्यप, अशोक कश्यप, नोखराम वर्मा, रामपुकार कश्यप सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामवासी एवं सामाजिक बंधु उपस्थित थे। इसके पूर्व बारगांव पहुंचने पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लव तिवारी के नेतृत्व में ग्राम सरपंच की उपस्थिति में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भव्य स्वागत किया गया। जहां पर दिनेश थवाईत, ललित नायक, रामायण पटेल, योगेश्वर सिंह, पंकज नायक, सुशील तिवारी, विनोद यादव सहित सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित थे।

17 वर्ष की उम्र में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे रही भूमिका

मुख्यमंत्री ने पत्र लिखकर बढ़ाया उत्साह

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ की पावन धार्मिक नगरी शिवरीनारायण की बेटी भूमिका के प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें व्यक्तिगत पत्र लिखकर शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया है। महज 17 वर्ष की उम्र में स्वयं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण लेने के साथ दूसरी बच्चियों को भी आत्मरक्षा के गुण सिखाने की भूमिका की पहल को मुख्यमंत्री ने सराहनीय बताया है।



मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पत्र में लिखा है कि माता शबरी और प्रभु श्रीराम की स्मृतियों से जुड़ी शिवरीनारायण की पावन भूमि सेवा और अपनत्व की भी पहचान है। इसी नगरी में भूमिका छोटी-छोटी बच्चियों को नि:शुल्क आत्मरक्षा सिखाकर उनका आत्मविश्वास बढ़ा रही हैं। माता-पिता से मिले संस्कारों को दूसरों के काम आने का माध्यम बनाना प्रशंसनीय है।

पत्र में मुख्यमंत्री ने भूमिका के पिता जितेंद्र श्रीवास के देश के प्रति समर्पण और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा से जुड़ाव का भी उल्लेख किया है। उन्होंने बताया कि पिता को शाखा में अभ्यास करते देखकर भूमिका ने भी उनसे पूछा था कि क्या वह भी शाखा में आ सकती हैं। इसके बाद स्वयं अभ्यास करने और अपनी सहेलियों को साथ जोड़ने की उनकी लगन सामने आई।

वर्तमान में भूमिका राष्ट्र सेविका समिति की शाखा में मुख्य शिक्षिका के रूप में बच्चियों को आत्मरक्षा, दंड अभ्यास और नियुद्ध का प्रशिक्षण दे रही हैं। मुख्यमंत्री ने 17 वर्ष की उम्र में पढ़ाई के साथ यह जिम्मेदारी निभाने को सराहनीय बताते हुए कहा कि भूमिका से सीखकर बच्चियों का आत्मविश्वास बढ़ना उनकी मेहनत का सुंदर परिणाम है।

कार्यालय नगर पंच कुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0)

// ईश्तहार//

Email ID-cmochoora@rediffmail.com, Phoen No.-07701266120

क्रमांक / 697 न0प0/राजस्व 2026-27 छुरा, दिनांक 30/10/26

नगर पंचायत छुरा, प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री वकील मोहम्मद पिता स्व. श्री जान मोहम्मद निवासी छुरा, तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) द्वारा इस निकाय मे नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि आवेदक द्वारा स्थान वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड प0ह0न0 24 तह0-छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) में स्थित भवन का खसरा नंबर 552/158 का टुकड़ा मे से रकबा 288.75 वर्गमीटर, जो कि वार्ड क्र0 09 गुरु घासीदास वार्ड स्थित भूमि जो कि श्री जान मोहम्मद पिता स्व श्री शेख मोहम्मद निवासी छुरा तह0 छुरा, जिला-गरियाबंद (छ0ग0) के नाम पर स्थित है। उक्त भवन का आवेदक द्वारा आपसी बटवारानामा के पश्चात आवेदक के नाम पर दर्ज करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत नामांतरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नामांतरण ईश्तहार दिनांक से 30 दिनों के भीतर स्वत: अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस कार्यालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत समायावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत छुरा
जिला -गरियाबंद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 7)
- : : मंगलम कामप्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर ::-
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....36808/ न. पा. नि. जोन क्रं 7/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36808
वार्ड का नाम 38 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 38 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR715D0034A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **GEETA SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE KEDAR-NATH SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती चंदा वाधवानी पिता/पति श्री श्रीमती जगदीश वाधवानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36773..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36773
वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561A00317** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MANRA KHAN PATEL** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती 01. श्री तरुण कुमार पटेल, 02. श्री प्रमोद कुमार पटेल, 03. कु. माधुरी पटेल पिता/पति श्री/श्रीमती पिता स्व. मनराखन पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मनराखन पटेल मृत्यु पटेल मृत्यु उपरांत वरिसनो द्वारा पंजीकृत बंटवारानामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36772..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36772
वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. **RPR561A00316** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MANRA KHAN PATEL** पिता/पति श्री श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती 01. श्री तरुण कुमार पटेल, 02. श्री प्रमोद कुमार पटेल, 03. कु. माधुरी पटेल पिता/पति श्री/श्रीमती पिता स्व. मनराखन पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मनराखन पटेल मृत्यु पटेल मृत्यु उपरांत वरिसनो द्वारा पंजीकृत बंटवारानामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36770..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36770
वार्ड का नाम 65- महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662L00304** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **ANAND GUHA S/O DR. B.R. GUHA, TAMLI SEN** पिता/पति श्री श्रीमती **INDRAJEET SEN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SMT. TAMLI SEN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O INDRAJEET SEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **/SHAPATH PATR, AADHAR CARD, RAGISTRI, NIGAM TAX** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36769..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36769
वार्ड का नाम 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662L00246** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **CHAMPA BEN SONI** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती श्री कविता सोनी पिता/पति श्री श्रीमती पिता स्व. चिमन लाल सोनी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **shapath patr, adhar card, mrityu praman patr, old ragistri** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36768..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36768
वार्ड का नाम 65 महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662J00289** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **VINAY KUMAR SHUKLA** पिता/पति श्री श्रीमती **RMAKANAT SHUKLA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्री अनुपम अवस्थी पिता पति श्री/ श्रीमती पिता संतोष कुमार अवस्थी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय क्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36767..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 05-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36767
वार्ड का नाम 65- महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई, डी. **RPR662B00368** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KAMENDRA GUPTA** पिता/पति श्री श्रीमती **PREM NARAYAN GUPTA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती श्री अजय कुमार पाल पिता पति श्री श्रीमती पिता जगदीश पाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36765..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36765
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227A00141** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **PRABHU DAS UKE** पिता/पति श्री श्रीमती **VITHAWAJI UKE** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती मीनाक्षी चौहान पिता/पति श्री श्रीमती बी.ए. चौहान** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / वसीयतनामा, टैक्स रसीद, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर: :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....36764..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 04-11-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 36764
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227S00821** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **MANOJ CHELLANI AND SONS HUF KARTA MANOJ CHELLANI** पिता/पति श्री श्रीमती **V.K. CHELLANI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती तबससुम बानो पिता/पति श्री श्रीमती शोहेल सेराजी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

रायपुर। शुक्रवार, 06 नवम्बर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 95/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल भाविना पटेलः पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास...
@ विचार धन और धन्वंतरि : हिंदू संस्कृति में धन एवं आरोग्य...
@ व्यापार शेयर बाजार लगातार छठे दिन तेजी के साथ बंद...

खबर झरोखा

4 करोड़ की रंगदारी मांगी, अनवर ढेबर-कुबेर राठी पर एफआईआर



रापपुर (संवाददाता)। रायपुर में 4 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने अनवर ढेबर, कुबेर राठी समेत 6 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। कारोबारी बलिराम धरमानी (62) ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके मुताबिक, जमीन के पुराने सौदे को लेकर आरोपियों ने बलिराम पर 4 करोड़ रुपए देने का दबाव बनाया। इस दौरान उनके साथ मारपीट की गई और पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी भी दी गई।

मामले में संदीप अग्रवाल, आसिफ मेमन, नागेंद्र कुमार और विवेक जोशी उर्फ मोंटी जोशी के नाम भी शामिल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, कालीबाड़ी निवासी बलिराम धरमानी ने 2018 में बोरड परिवार की लाभांडी स्थित करीब 2.60 लाख वर्गफीट जमीन का सौदा किया था।

छत्तीसगढ़ के बुनकरों और महिला स्व-सहायता समूहों को बड़ी सौगात

9 करोड़ 41 लाख रुपये का पारिश्रमिक सीधे बैंक खातों में अंतरित

संवाददाता ■ रायपुर



दीपावली के पावन पर्व से ठीक पहले छत्तीसगढ़ के बुनकरों और सिलाई कार्य से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप और ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव के विशेष निर्देशों के तहत, राज्य सरकार ने बुनकर सहकारी समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को उनके श्रम का पारिश्रमिक जारी कर दिया है। इसके तहत कुल 9 करोड़ 41 लाख रुपये की राशि आरटीजीएस के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। समय पर भुगतान होने से इन परिवारों में दीवाली की खुशियां और अधिक दोगुनी हो गई हैं।

ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव ने इस संबंध में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बुनकरों और महिला स्व-सहायता समूहों के कठिन परिश्रम का समय पर पारिश्रमिक भुगतान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार स्थानीय हुनर को रोजगार से जोड़कर बुनकरों और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। दीपावली से पहले पारिश्रमिक मिलने से उनके परिवारों के जीवन में उत्साह और समृद्धि का संचार होगा।

मंत्री यादव ने आगे जोर देते हुए कहा कि वोकल फॉर लोकल की भावना को आत्मसात करते हुए बुनाई और गणवेश (यूनिफॉर्म) सिलाई के जरिए जमीनी स्तर पर सतत रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। महिलाओं के कौशल विकास और स्वरोजगार के दायरे को बढ़ाकर उनकी आय में वृद्धि करना सरकार का मुख्य ध्येय है।

ग्रामोद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध संचालक राजेश सिंह राणा ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष और त्योहारी सीजन के दौरान पारिश्रमिक का यह वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ सीधे खातों में किया गया है। प्रदेश के 26 जिलों की 302 बुनकर सहकारी समितियों को 7 करोड़ 60 लाख रुपये का भुगतान अक्टूबर 2026 में किया गया। 49 बुनकर सहकारी समितियों को 1 करोड़ 50 लाख रुपये तथा 128 महिला स्व-सहायता समूहों को 31 लाख रुपये का पारिश्रमिक 3 नवंबर को अतिरिक्त भुगतान किया गया।

राज्य हाथकरघा संघ द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में 3 नवंबर तक कुल 76 करोड़ 13 लाख 54 हजार रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जा चुकी है, जिसमें शामिल हैं। बुनकर सहकारी समितियों को 345 बुनकर सहकारी समितियों को बुनाई पारिश्रमिक के रूप में 54 करोड़ 87 लाख रुपये, 2005 महिला स्व-सहायता समूहों को सिलाई पारिश्रमिक के रूप में 21 करोड़ 17 लाख रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जा चुकी है।

केंद्र ने जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए खोला पेंशन का रास्ता, राशि भी बढ़ाईः पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र ने जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए पेंशन का रास्ता खोल दिया है। साथ ही पेंशन की राशि में भी इजाफा किया है।

एशियाई पैरा खेलों में हिस्सा लेकर लौटे खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अभी कुछ दिन पहले कैबिनेट में दिव्यांग जनों की पेंशन को लेकर बड़े निर्णय लिए हैं। हमने पेंशन की राशि बढ़ाई है और दिव्यांगता का मानक 80 प्रतिशत से 40 प्रतिशत कर दिया है। पहले पेंशन के लिए 18 वर्ष की आयु होना जरूरी था, अब जन्म से ही पात्र दिव्यांग बच्चों के लिए पेंशन का रास्ता खोल दिया है।

बीते महीने सरकार ने प्रधानमंत्री दिव्यांगजन पेंशन योजना के तहत दिव्यांग व्यक्ति के लिए पात्रता की न्यूनतम आयु सीमा को हटा दिया था। इससे अब दिव्यांग व्यक्ति जन्म से ही पेंशन के लिए पात्र हो जाता है। इसमें केंद्रीय सहायता भी बढ़ाकर 79 वर्ष तक के लिए 375 रुपए प्रति माह और 80 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के लिए 625 रुपए प्रति माह कर दी गई है। इसके तहत लाभार्थियों की संख्या 8.33 लाख से बढ़कर 27.48 लाख हो गई है।

सरकार के मुताबिक, इस निर्णय से तीन समूहों को लाभ होगा। पहले- वे व्यक्ति जो 40 से 79 प्रतिशत के बीच दिव्यांग प्रमाणित हैं और गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों से हैं। दूसरा - गरीबी रेखा से नीचे के परिवार में ,मानक दिव्यांगता प्रमाण पत्र वाले बच्चे जन्म से ही स्वीकृत मानदंडों के तहत लाभान्वित होंगे, जबकि पहले परिवार को बच्चे के 18 वर्ष का होने तक इंतजार करना पड़ता था। तीसरे- वे व्यक्ति जो पहले से ही पेंशन प्राप्त कर रहे हैं उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत 375 रुपए और 625 रुपए की बढ़ी हुई दरें प्राप्त होंगी।

वर्ष 2011 की जनगणना में भारत में 2.68 करोड़ दिव्यांग व्यक्ति दर्ज किए गए थे, जो जनसंख्या का 2.21 प्रतिशत है। 2016 के अधिनियम की अनुसूची में 21 प्रकार की दिव्यांगताएं निर्धारित की गई हैं।

केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने क्रेआ मैड्रिड नुएवो नॉर्ते का किया दौरा



एजेंसी ■ मैड्रिड

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने स्पेन दौरे के पहले कार्यक्रम के अंतर्गत मैड्रिड स्थित क्रेआ मैड्रिड नुएवो नॉर्ते का दौरा किया। यह यूरोप की सबसे बड़ी और विश्व की महत्वाकांक्षी शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं में से एक है। लगभग 2.68 लाख करोड़ (25.2 अरब यूरो) के अनुमानित निवेश वाली इस परियोजना को आगामी 15 से 20 वर्षों में चरणबद्ध रूप से पूरा करने का लक्ष्य है।

इस परियोजना के माध्यम से मैड्रिड में आधुनिक, सुव्यवस्थित, समावेशी और टिकाऊ शहरी विकास का एक नया मॉडल विकसित किया जा रहा है। इसकी प्रमुख विशेषता चमार्टिन रेलवे स्टेशन का एकीकृत पुनर्विकास है। रेलवे स्टेशन के ऊपर लगभग 23 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में नए शहरी क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। इसके अंतर्गत लगभग 10,500 नए आवास बनाए जाएंगे, जिनमें बड़ी संख्या में किफायती आवास भी शामिल होंगे।

परियोजना में एकीकृत मोबिलिटी हब विकसित किया जा रहा है, जिसके तहत लगभग 80 प्रतिशत यात्राओं को पैदल, साइकिल और सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से संचालित करने का लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त 15 लाख वर्ग मीटर से अधिक कार्यालय एवं व्यावसायिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। परियोजना में प्रस्तावित 300 मीटर ऊंची इमारत यूरोपीय संघ की सबसे ऊंची इमारतों में शामिल होगी।

पर्यावरण संरक्षण और हरित शहरी विकास को प्राथमिकता देते हुए रेलवे ट्रैक के ऊपर 14.5 हेक्टेयर क्षेत्र में सेंट्रल पार्क तथा 4 लाख वर्ग मीटर से अधिक हरित क्षेत्र विकसित करने की योजना है। इस परियोजना से लगभग 3.5 लाख नए रोजगार सृजित होने का अनुमान है।

क्रेआ मैड्रिड नुएवो नॉर्ते परियोजना इस बात का उदाहरण है कि किस प्रकार रेलवे स्टेशन, आवास, सार्वजनिक परिवहन, व्यावसायिक गतिविधियों और हरित क्षेत्रों को एकीकृत करके भविष्य के शहरों का निर्माण किया जा सकता है। भारत के लिए भी यह परियोजना शहरी नियोजन और विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण अनुभव एवं सीख प्रदान करती है। विशेष रूप से रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, सार्वजनिक परिवहन आधारित शहरी विकास, किफायती आवास और पर्यावरण अनुकूल बुनियादी सुविधाओं को एक साथ विकसित करने की दिशा में यह एक उपयोगी मॉडल है।

ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी में विपक्ष



एजेंसी ■ वॉशिंगटन

मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद अब राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके जरिए उन्हें पद से हटाया जा सकता है।

मीडिया के मुताबिक डेमोक्रेट्स आरोप लगा रहे हैं कि ट्रम्प ने अपने पद का इस्तेमाल कर अपने करीबियों को फायदा पहुंचाया और संपत्ति जुटाई। इससे आम लोगों को नुकसान उठाना पड़ा।

डेमोक्रेटिक सांसद रॉबर्ट गार्सिया ने कहा है कि वे यह पता लगाएंगे राष्ट्रपति रहते हुए ट्रम्प और उनके परिवार की संपत्ति कैसे बढ़ी। उनका फोकस ट्रम्प के बेटों और दामाद जेरेड कुशनर के कारोबारी सौदों पर है।

गार्सिया ने जांच के लिए पांच मुद्दे तय किए हैं। इनमें ट्रम्प परिवार के कारोबारी सौदे, जेफ्री एपस्टीन मामले की जांच में ट्रम्प प्रशासन की भूमिका और अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी की छापेमारी और कार्रवाई शामिल हैं।

हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स

हाउस में कुल 435 सीटें हैं। सभी सीटों पर चुनाव हुए। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने 242 और ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 151 सीटें जीती हैं। 42 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। डेमोक्रेट्स को जरूरी बहुमत मिल चुका है।

सीनेट

सीनेट की 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए हैं। अब तक 33 सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं। इनमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 और रिपब्लिकन पार्टी ने 13 सीटें जीती हैं। बाकी 2 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। इन नतीजों को मिलाकर डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 54 और रिपब्लिकन पार्टी के पास 44 सीटें हैं।

गवर्नर चुनाव

कुल 36 सीटों में से 34 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। 22 डेमोक्रेट्स और 12 रिपब्लिकन ने सीटें जीती हैं। 2 राज्यों में वोटों की गिनती जारी है।

पाक में पाकिस्तानी सेना की फायरिंग, 7 की मौत



एजेंसी ■ रावलकोट

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के रावलकोट में गुरुवार को प्रदर्शनकारियों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने फायरिंग की है।

इसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में बच्चे भी शामिल हैं।

यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर भारी मशीनगनों और ड्रोन से हमला किया।

घटना को लेकर अभी तक पाकिस्तानी अधिकारियों का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

तीन जगहों पर प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाने का आरोप

UKPNP के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने मटियालमेरा बस टर्मिनल, उमर फारूक चौक और रावलकोट की दूसरी जगहों पर चल रहे धरनों पर कार्रवाई की।

पार्टी ने आरोप लगाया कि सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी के साथ ड्रोन से हमले भी किए। इस दौरान भारी मशीनगनों और बख्तरबंद गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया।

तीर तेवर — सागर कुमार



भारत की हरित ऊर्जा सफलता ग्लोबल साउथ देशों के लिए एक आदर्श है: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

एजेंसी ■ नई दिल्ली



उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को कहा कि अक्षय या नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति न केवल देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) के देशों के लिए भी एक प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभरी है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एंड एक्सपो 2026 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित बिजली क्षमता 300 गीगावाट के आंकड़े को पार कर चुकी है। उन्होंने बताया कि भारत ने 2025 में ही अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल कर लिया था, जो निर्धारित समयसीमा से पांच वर्ष पहले की उपलब्धि है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पिछले एक दशक में देश की सौर ऊर्जा क्षमता 3 गीगावाट से भी कम स्तर से बढ़कर 170 गीगावाट से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि जो सौर ऊर्जा कभी कोयला-आधारित बिजली की तुलना में कई गुना महंगी मानी जाती थी, वह आज भारत में सबसे सस्ते ऊर्जा स्रोतों में शामिल है। उनके अनुसार यह परिवर्तन दूरदर्शी नीतियों, निजी क्षेत्र की भागीदारी तथा राज्यों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 65 लाख से अधिक परिवार सौर ऊर्जा आंदोलन से जुड़े हैं और उन्हें सस्ती तथा स्वच्छ बिजली उपलब्ध हो रही है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) के तहत लगभग 30 लाख किसानों को लाभ मिला है। उन्होंने कहा कि सौर पंप किसानों के डीजल खर्च को कम करने के साथ-साथ उन्हें अतिरिक्त आय का अवसर भी प्रदान कर रहे हैं, जिससे वे केवल अन्नदाता ही नहीं बल्कि ऊर्जादाता भी बन रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों के माध्यम से उन दूरदराज़ जनजातीय क्षेत्रों तक बिजली पहुंचाई जा रही है, जहां पारंपरिक विद्युत ग्रिड बिछाना संभव नहीं है।

संपादकीय

धनतेरसः धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व



ललित गर्ग

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह



अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं।

धन और धन्वंतरि : हिंदू संस्कृति में धन एवं आरोग्य समृद्धि का पर्व धनतेरस



आचार्य ललित मुनि

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनत्रयोदशी अथवा धनतेरस कहा जाता है। इस दिन लोग सोने चांदी के जेवरों के साथ गृहस्थ की आवश्यक वस्तुएं खरीदना शुभ मानते हैं। हिन्दू संस्कृति में धन का अर्थ केवल मुद्रा, सोना, चांदी अथवा संपत्ति कभी नहीं रहा, स्वस्थ शरीर, दीर्घायु, अन्न, जल, पशुधन, परिवार, ज्ञान और प्रकृति की संपदा भी धन के ही रूप माने गए हैं। इसलिए धनतेरस को भगवान धन्वंतरी की जयंती होने के कारण आरोग्य का पर्व भी माना जाता है।

धनतेरस को भगवान धन्वंतरि की जयंती भी भारत में सभी स्थानों पर मनाई जाती है। पुराणों में वर्णित समुद्र मंथन की कथा में धन्वंतरि का प्राकट्य अमृत कलश के साथ हुआ है। देवताओं और असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन से अनेक रत्न निकले। उन्हीं में भगवान धन्वंतरि भी प्रकट हुए, जिनके हाथों में अमृत से भरा कलश था। श्रीमद्भागवत महापुराण के आठवें स्कंध में इस प्रसंग का वर्णन मिलता है।

धन्वंतरि के हाथों में अमृत कलश की कल्पना अपने आप में अर्थपूर्ण है। अमृत का संबंध जीवन से है और जीवन का सबसे बड़ा आधार आरोग्य है। धन-संपत्ति होने पर भी यदि शरीर रोगों से घिरा हो, मन अशांत हो और जीवन में सुख का अनुभव न हो तो उस संपन्नता का अर्थ अधूरा रह जाता है। धन्वंतरि की आराधना इस बात की याद दिलाती है कि समृद्धि की शुरुआत स्वस्थ जीवन से होती है। कालिदास ने कुमारसंभव में शरीर के महत्व को एक छोटे से श्लोक में अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त किया है।

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम।

अर्थात शरीर ही धर्म और जीवन के सभी कर्तव्यों को पूरा करने का पहला साधन है। शरीर रहेगा तभी मनुष्य अपने कर्तव्यों का पालन कर सकेगा, परिवार की जिम्मेदारी निभा सकेगा और समाज के लिए उपयोगी कार्य कर सकेगा। इस दृष्टि से आरोग्य केवल व्यक्तिगत आवश्यकता नहीं, बल्कि जीवन की समस्त उपलब्धियों का आधार है।

आयुर्वेद की परंपरा में धन्वंतरि का स्थान अत्यंत आदर का है। उन्हें देवताओं का वैद्य कहा गया है। काशी के राजा दिवोदास को भी धन्वंतरि की परंपरा से जोड़ा जाता है। सुश्रुत संहिता में वर्णित शल्य चिकित्सा की परंपरा का संबंध दिवोदास धन्वंतरि से माना जाता है। भारतीय चिकित्सा ज्ञान में रोगों की पहचान, शरीर की बनावट, औषधियों के प्रयोग और शल्य चिकित्सा का जो विस्तार मिलता है, वह इस परंपरा की समृद्धि का परिचायक है। सुश्रुत संहिता में स्वस्थ मनुष्य की जो परिभाषा दी गई है, वह आज भी ध्यान देने योग्य है।

समदोषः समाग्निश्च समधातुमलक्रियः।
प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थ इत्यभिधीयते॥

अर्थात जिसके वात, पित्त और कफ संतुलित हों, पाचन अग्नि ठीक हो, शरीर की धातुओं और मल की क्रियाएं सामान्य हों तथा



आत्मा, इंद्रियां और मन प्रसन्न हों, वही वास्तव में स्वस्थ है। यहां स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोग का न होना नहीं है। शरीर के साथ मन और इंद्रियों की प्रसन्नता को भी महत्व दिया गया है। भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण ने भोजन, व्यवहार और दिनचर्या में संतुलन को महत्व दिया है।

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा॥ (6.17)

अर्थात उचित मात्रा में भोजन और विहार करने वाले, अपने कर्मों में संतुलित रहने वाले तथा सोने और जागने में नियमितता रखने वाले मनुष्य का योग उसके दुखों को दूर करने वाला होता है। धनतेरस पर धन्वंतरि का स्मरण करते समय यह श्लोक बताता है कि स्वस्थ जीवन केवल औषधियों से नहीं, बल्कि संयमित दिनचर्या से भी जुड़ा है।

धनतेरस पर नई वस्तु खरीदने की परंपरा भी इसी समृद्धि की कामना से जुड़ी है। घरों में पीतल, तांबे, कांसे और चांदी के बर्तन लाने की मान्यता है। कुछ स्थानों पर लोग सोना-चांदी खरीदते हैं तो कहीं नई झाड़ू खरीदने का भी रिवाज है। झाड़ू को घर की स्वच्छता और दरिद्रता दूर करने का प्रतीक माना जाता है। कहीं धन्वंतरि की पूजा होती है, कहीं लक्ष्मी और कुबेर की आराधना की जाती है तो कहीं व्यापारी अपने बही-खातों और तराजू की पूजा करते हैं। इन लोकपरंपराओं का स्वरूप क्षेत्र और परिवार के अनुसार बदलता रहता है।

धनतेरस की एक और सुंदर परंपरा यमदीपदान की है। संध्या के समय घर के बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीपक जलाया जाता है। इसके पीछे अकाल मृत्यु से परिवार की रक्षा की लोककामना जुड़ी हुई है। राजा हिम के पुत्र और उनकी बुद्धिमती पत्नी की कथा भी इसी अवसर पर सुनाई जाती है। लोककथा के अनुसार विवाह के चौथे दिन राजकुमार की मृत्यु सर्पदंश से होने की भविष्यवाणी थी। पत्नी ने उस रात घर के द्वार पर सोना-चांदी और आभूषण रखकर दीपक जलाए तथा गीत और कथाओं से पूरी रात जागरण किया। सर्प के रूप में आए यमराज दीपों और आभूषणों की चमक से आगे नहीं बढ़ सके और राजकुमार का जीवन बच गया। इसी लोकविश्वास से यमदीपदान की परंपरा को जोड़ा जाता है। इस कथा में मृत्यु के भय के सामने जीवन के प्रति प्रेम, सजगता और मंगलकामना का भाव दिखाई देता है। दीपक यहां परिवार के सुरक्षित और दीर्घ जीवन की कामना का प्रतीक बन जाता है।

धनतेरस का एक पक्ष ऐसा भी है, जिस पर आज अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। धन्वंतरि की आराधना का संबंध औषधियों और वनस्पतियों से भी है। आयुर्वेद में वनस्पतियों को रोगों के उपचार का महत्वपूर्ण साधन माना गया है। हमारे जंगलों में मिलने वाली गिलोय, हरड़, बहेड़ा, आंवला, नीम, अश्वगंधा और अनेक दूसरी वनस्पतियां औषधीय उपयोग के लिए जानी जाती हैं। वनवासी और ग्रामीण समाज में पीढ़ियों से वनौषधियों के उपयोग का ज्ञान संचित होता आया है। जंगल के किसी पेड़ की छाल, पत्ती, जड़ अथवा फल का उपयोग किस परिस्थिति में किया जाए, यह जानकारी स्थानीय वैद्यों और परंपरागत जानकारों के अनुभव में सुरक्षित रही है। भगवद्गीता का एक श्लोक प्रकृति, वर्षा और अन्न के बीच के संबंध को बहुत सुंदर ढंग से सामने रखता है।

अन्नाद्भवन्ति भूतानि पर्जन्यादन्नसम्भवः।
यज्ञाद्भवति पर्जन्यो यज्ञः कर्मसमुद्भवः॥ (3.14)

अर्थात समस्त प्राणी अन्न से उत्पन्न और पोषित होते हैं, अन्न की उत्पत्ति वर्षा से होती है और वर्षा का संबंध यज्ञ तथा कर्म से है। इस श्लोक में जीवन के आधारों की परस्पर निर्भरता का भाव निहित है। अन्न, जल और प्रकृति के बिना मनुष्य की समृद्धि की कल्पना नहीं की जा सकती।

लक्ष्मी की आराधना और धन्वंतरि की पूजा को साथ रखकर देखें तो भारतीय संस्कृति में समृद्धि की एक सुंदर तस्वीर सामने आती है। लक्ष्मी अन्न, धन, वैभव और सौभाग्य की प्रतीक हैं, जबकि धन्वंतरि आरोग्य और जीवन रक्षा के स्मरण कराते हैं। दोनों के बीच कोई विरोध नहीं है। धन हो, लेकिन स्वास्थ्य भी हो। घर में संपन्नता हो, लेकिन मन में संतोष भी हो। भंडार अन्न से भरा हो, लेकिन पड़ोसी की थाली खाली न रहे। यही समृद्धि का व्यापक भाव है।

पहले भी हुआ है अमेरिका में नीलाकाश

राकेश अचल

अमेरिका के मध्यावधि चुनाव ने न सिर्फ अमेरिका का राजनीतिक भूगोल बदला है बल्कि पूरी दुनिया के राजनीतिक परिदृश्य पर भी असर डाला है.लेकिन अअमेरिका इस तरह की राजनीतिक सूनामियों का मुकाबला करने का आदी हो चुका है.

ट्रंप के साथ 2026 के मध्यावधि चुनाव में जो नीली लहर की वजह से बड़ा उलटफेर हुआ, वैसा कई अन्य राष्ट्रपतियों के साथ भी हो चुका है।?

2026 में क्या हुआ?

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बीच (नवंबर 2026) मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेट्स ने दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) का नियंत्रण छीन लिया। रिपब्लिकन पार्टी को टेक्सास, कंसास, साउथ कैरोलिना जैसे गढ़ों में भी सीटें गंवानी पड़ीं। इसे ट्रंप और उनकी एजेंडा के खिलाफ 'ऐतिहासिक उलटफेर या 'नीली सुनामी' कहा जा रहा है।?

अमेरिका में हुए ताजा उलटफेर का अतीत खंगाला तो पता चला कि मध्यवधि चुनाव की वजह से बिना नख-दंत के होने वाले डोना ट्रंप कोई पहले राष्ट्रपति नहीं हैं.इतिहास में कितने ही राष्ट्रपतियों के साथ ऐसा हुआ?

अमेरिका का अतीत बताता है कि अमेरिका में सत्तारूढ राष्ट्रपति की पार्टी मध्यावधि चुनाव में ज्यादातर सीटें गंवाती है। 1946 से 2022 तक 20 मध्यावधि चुनावों में से 18 में राष्ट्रपति की पार्टी ने हाउस की सीटें खोईं ।लेकिन ट्रंप की भांति दोनों सदन एक



साथ गंवाने के मामले कम हैं।?

सीनेट और हाउस आफ रिप्रिजेंटिव्हस दोनों सदन एक साथ गंवाने वाले प्रमुख मामले ग्रोवर क्लीवलैंड (1894) के जमाने से होते आए हैं.19118 में वुडरो विल्सन,1946 में हैरी ट्रूमैन बड़े नुकसान का सामना कर चुके थे.1954 में ड्वाइट आइजनहावर 1994 में बिल क्लिंटन 2006 में जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के साथ भी यही सब हुआ जो 2026 में डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुआ. फेरबदल की ये 7वीं सुनामी कही जा सकती है.

अमेरिका की राजनीति में ट्रंप की तरह बड़े नुकसान वाले अनेक उदाहरण मौजूद हैं.मुझे याद है कि 2010 में बराक ओबामा ने हाउस में 63-64 सीटें गंवाईं थीं जो सबसे बड़े आधुनिक नुकसान में से एक घटना है. ।1994 में बिल क्लिंटन ने 54 हाउस सीटें खो दी थीं.। ट्रंप खुद अपने पहले कार्यकाल 2018) में हाउस में 940-42 सीटें गंवा कर , नियंत्रण खो चुके हैं.

इतिहास गवाह है कि 1958 में आइजनहावर 1974 में , फोर्ड,1946 में ट्रूमैन आदि में भी बड़े नुकसान झेले.पद पर रहकर बढत हासिल करने के अपवाद बहुत कम हैं — जैसे 1998 में क्लिंटन 1998 और 2002 में बुश की पार्टी ने सीटें बढ़ाईं।थीं.

लब्बोलुआब ये कि अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति की पार्टी का नुकसान आम बात है लेकिन दोनों सदन एक साथ गंवाना दुर्लभ है, अमेरिका के ताजे उलटफेर का असर दुनिया की राजनीति,युद्ध,व्यापार,विदेशनीति,पर्यावरण,बाजार सब पर पडता है.अमेरिका की सरपरस्ती में राज करने वाली सरकारें भी इसस प्रभावित होती हैं.भारत,इजराइल,ईरान,पाकिस्तान ट्रंप के नख दंत विहीन होने से प्रभावित हुए नहीं रह सकते.

ट्रंप के साथ जो हुआ उसमें अप्रत्याशित कुछ भी नहीं है.ये तो होना ही था.इसे कोई रोक नहीं सकता था,खुद ट्रंप भी.हकीकत ये है कि ट्रंप साहब आत्ममुग्धता के शिकार हो गए थे.वे अखिल विश्व के सम्राट बनने का ख्वाब देख रहेथे.वेनेजुएला,ईरान,फिलिस्तीन के साथ ट्रंप ने जो किया वो किसी से छिपा नहीं है।

कविता

धनतेरस



मोनिका डागा 'आनंद'

पंच-दिवसीय पर्व की हुई है
मांगलिक शुरुआत,
उत्सव की रंगत से
महके है मन के पारिजात ।

कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि
मनाते हैं धनतेरस,
धन्वंतरि देव लुटाते आरोग्यता
का अमिय रस,
धन कुबेर और महालक्ष्मी जी
का पूजन-अर्चन,
सौभाग्य जगाएं और करें
धन-धान्य से सम्पन्न,
व्यापार संग जीवन में हो
'आनंद' की बरसात,
उत्सव की रंगत से
महके है मन के पारिजात ।

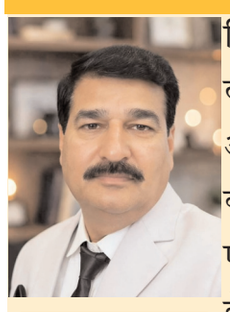
सोने-चाँदी या पीतल का
सामान, खड़ा धनिया,
मूरत लक्ष्मी-गणेश की
खरीदतें गृहस्थ बनिया,
देव स्थानों, तटों और घरों में
दीपों की कतार,
हर ओर है सुनहरी रोशनी की
चमक और प्यार,
त्योहारों की रौनक से जगमग
है हाट दिन-रात,
उत्सव की रंगत से
महके है मन के पारिजात ।

हो फलीभूत सच्ची आस्था
और पक्का विश्वास,
निरोगी शरीर और सात्विक
सुख यश-कीर्ति की आस,
सुख-समृद्धि वैभव की देवी
विष्णु प्रिया हो वरदा,
पाएं धनवंतरी, यक्षराज कुबेर
से संपदा,
कृपा से ईश की हुए निर्मल
अंतरंग जज़्बात,
उत्सव की रंगत से
महके है मन के पारिजात ।

-चेन्नई

कविता

'दीपोत्सव - फिर से जल उठे दीये'



प्रवीण कुमार

फिर से आई है
दीपों की रात,
अंधियारे से लड़ने
की बात,
एक दीया तुलसी
के पास धरो,
एक दीया मन के
द्वार धरो।

ये दीये सिर्फ मिट्टी के नहीं,
ये सदियों के विश्वास हैं,
जब राम अयोध्या लौटे थे,
उसी खुशी के एहसास हैं।

किसी कोने में कोई रो रहा है,
उसके घर भी एक दीया दे आओ,
जिसकी झोली है खाली पड़ी,
उसमें खुशी का तेल भर जाओ।

दीपोत्सव 2026 ये कहता है,
सिर्फ घर नहीं, मन भी साफ करो,
नफरत का जो अंधेरा है दिल में,
उसको भी तो माफ करो।

आओ इस बार ऐसा दीप जलाएं,
जो कभी बुझ न पाए,
दीया जले तो सिर्फ आंगन में नहीं,
हर दिल में उजाला हो जाए।

व्यंग्य केसरी

कहानी पाठ...



विवेक रंजन श्रीवास्तव

सभागार में महिला समिति द्वारा आयोजित कहानी पाठ चल रहा था। वरिष्ठ कथाकार आमंत्रित किए गए थे। वे अपनी एक गंभीर कहानी सुना रहे थे। कहानी में संवेदनाएँ थीं, संघर्ष था और जीवन की विडंबनाएँ थीं। कथाकार हर वाक्य के साथ श्रोताओं के चेहरों पर प्रतिक्रिया तलाश रहे थे।

पहली पंक्ति में एक देवी जी आँखें मूँदे बैठी थी । सिर का रह रहकर झुकना बता रहा था कि कहानी का प्रभाव गहरा हुआ है। वे नींद की दुनिया में कहानी का अपना संस्करण रच रही थी। बगल में आयोजक मंडली की दो महिलाएँ आपसी बातचीत में व्यस्त थीं।

कुछ लोग मोबाइल पर कहानी रिकॉर्ड कर रहे थे। एक महिला कैमरे का कोण बार बार बदल रही थीं। वे कहानी सुनने से अधिक यह सुनिश्चित करने में व्यस्त थीं कि कहानी का कोई दृश्य रिकॉर्ड होने से छूट न जाए। शायद घर जाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करना था। कहानी का लाइव आनंद लेने से ज्यादा जरूरी था, उसके आयोजन में अपनी उपस्थिति का सोशल मीडिया पर सदैव बना रहने वाला प्रमाण सुरक्षित रखना।

कथाकार ने कहानी का सबसे मार्मिक अंश पढ़ा। 'पिता बेटी की शादी के लिए अपना घर बेच देता है।' उनकी आवाज भर्रा गई। उन्होंने श्रोताओं की ओर देखा। मोबाइल की कुछ स्क्रीन चमक रही थी,और कुछ चेहरे निर्विकार थे।

कहानी समाप्त हुई। प्रश्नोत्तर का दौर शुरू हुआ।

एक महिला ने कहा, बहुत सुंदर कहानी थी। कथाकार ने उत्साहित होकर पूछा, आपको कौन सा प्रसंग अच्छा लगा?

महिला बोलीं, पूरी रिकॉर्डिंग घर जाकर सुनूँगी।

एक सज्जन ने कहा, मैंने पूरा वीडियो बना लिया है। फेसबुक पर डालूँगा। आप को टैग कर दूंगा।

तभी एक युवा ने पूछा, सर, कहानी का शीर्षक क्या था?

कथाकार कुछ क्षण चुप रहे। फिर मुस्कराए। वे समझ गए कि वो कहानी सुना रहे थे, जबकि सभागार में हर व्यक्ति अपनी अपनी कहानी जी रहा था।

घर लौटकर उन्होंने डायरी खोली। नई कहानी का शीर्षक लिखा, कहानी पाठ।

पहली पंक्ति लिखी, एक सभागार में कहानी सुनाई जा रही थी। कहानीकार को भ्रम था कि वह कहानी सुना रहा है, ...दरअसल, हम सभी किसी न किसी कहानी के किरदार हैं। फर्क इतना है कि कुछ अपनी भूमिका जानते हैं, कुछ निभा रहे हैं और कुछ को पता ही नहीं कि वे भी किसी की कहानी का हिस्सा बन चुके हैं। तभी मोबाइल पर सूचना आई। एक श्रोता ने उनकी कहानी का वीडियो पोस्ट किया था। कैप्शन था, आज एक अद्भुत कहानी पाठ का आनंद लिया।

कथाकार मुस्कराए। कहानी समझने और आनंद लेने वाले भले ही न मिले हों, प्रचारक तो मिल गए थे!

इतिहास

6 नवंबर का इतिहास भारत और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन से जुड़ा है।

6 नवंबर की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1763: ब्रिटिश सेना ने मीर कासिम को हराकर पटना पर अधिकार किया।

1860: अब्राहम लिंकन अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए।

1913: महात्मा गांधी के नेतृत्व में दक्षिण अफ्रीका में भारतीय खनिकों का 'द ग्रेट मार्च' निकाला गया, जिसके बाद उनकी गिरफ्तारी हुई।

1935: एडविन आर्मस्ट्रांग द्वारा एफएम रेडियो का प्रथम सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया।

1943: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान द्वारा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सौंपे गए।

1962: संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दक्षिण अफ्रीका की रंगभेद नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया।

ज़ 1990: नवाज़ शरीफ़ पहली बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने।

योजनाओं की उपलब्धियां सिर्फ आंकड़ों में नहीं, परिणामों में दिखें : पिंगुआ

जिले के प्रभारी सचिव ने ली अफसरों की बैठक, दिए गए कई निर्देश

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। अपर मुख्य सचिव, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग तथा जिले के प्रभारी सचिव मनोज पिंगुआ ने आज जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की गहन समीक्षा कर अधिकारियों से कहा कि योजनाओं की सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनके सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखाई देने चाहिए। योजनाओं का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंचे ताकि उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आए, यही सुशासन की सार्थकता है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग बेहतर समन्वय और परिणामोन्मुखी कार्यशैली के साथ जिले को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनाने की दिशा में काम करें। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना हम सभी की जिम्मेदारी है। बैठक में कलेक्टर संजय अग्रवाल ने जिले में संचालित प्रमुख योजनाओं, नवाचारों एवं विकास कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।



समीक्षा बैठक की शुरुआत धान खरीदी की तैयारियों से हुई। पिंगुआ ने बताया कि 15 नवंबर से राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी प्रारंभ की जाएगी। इसके पूर्व धान खरीदी केंद्रों में सभी तैयारियां सुनिश्चित कर ली जाए। धान खरीदी के मापदंडों के बारे में मुनादी व दीवार लेखन के जरिए अच्छी तरह से प्रचार-प्रसार किया जाए। चेकलिस्ट के अनुरूप तैयारियां पूर्ण कर लिया जाए। धान खरीदी के लिए आने वाले किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसका ध्यान दें। किसानों के लिए छाया, पानी, बैठने की व्यवस्था समुचित रूप से हो। किसान पंजीयन, समितियों के गठन और खरीदी व्यवस्था की जानकारी लेते हुए धान खरीदी से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के विरुद्ध पूर्ण हुए आवासों की जानकारी ली।

प्रभारी सचिव ने पिछले दिनों आए तूफान से हुए नुकसान का जल्द सर्वे कर प्रभावित किसानों को पात्रता अनुसार राहत दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल ने बताया कि आवास सर्वेक्षण में बिलासपुर जिले ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-26 में राज्य स्तर में आवास पूर्णता की स्थिति में जिला 56284 आवासों को पूर्ण कर दूसरे स्थान पर है। राज्य स्तर में आवास प्लस 2.0 में सर्वाधिक हितग्राहियों का सर्वे कर जिला प्रथम स्थान पर है। जिले में पीएम जनमन आवास योजना के तहत 959 आवास स्वीकृत किये गये थे जिनमें से 803 आवास पूर्ण कर लिए गए है। पिंगुआ ने विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) की भी समीक्षा की। उन्होंने इस योजना के तहत अधोसरंचना के कार्यों को स्वीकृत कर पूर्ण करने को कहा। सीईओ जिला पंचायत ने बताया कि योजना के तहत आंगनबाड़ी निर्माण, नवीन पंचायत भवन, तालाब गहरीकरण, नया तालाब, परकोलेशन टैंक, बालिका शौचालय आदि के 3 हजार से ज्यादा कार्य अब तक स्वीकृत किये गये है। योजना के तहत 125 दिवस रोजगार की गारंटी दी जा रही है। प्रभारी सचिव पिंगुआ ने कहा कि स्वीकृत कार्यों से गांवों में ऐसी उपयोगी और स्थायी परिसंपत्तियां विकसित की जाएं, जिनका लाभ ग्रामीणों को लंबे समय तक मिले।

सहकारिता और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरकः संभागायुक्त सुनील जैन



विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। सहकारिता विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से देवकीनंदन सभागृह, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल प्रांगण में सेवा सहकारी समितियों के प्रभारी अधिकारियों, प्रभारी प्रबंधकों एवं पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। बिलासपुर एवं मुंगेली जिले के 200 समितियों के प्रतिनिधियों की सहभागिता वाली इस कार्यशाला का शुभारंभ संभागायुक्त सुनील जैन एवं कलेक्टर संजय अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी के सुचारू संचालन, पैक्स कंप्यूटरीकरण तथा समितियों के बेहतर प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया।

संभागायुक्त सुनील जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सहकारिता और लोकतंत्र एक-दूसरे के पूरक तथा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। उन्होंने सहकारिता के ऐतिहासिक विकास का उल्लेख करते हुए समितियों के कामकाज में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कंप्यूटरीकरण की महत्ता बताई। उन्होंने आगामी धान खरीदी की तैयारियों पर चर्चा करते हुए समिति कर्मचारियों की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित करने पर जोर दिया।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आगामी धान खरीदी व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए उपार्जन केंद्रों की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने सहकारी खेती, जैव उर्वरक, बायोगैस एवं वित्तीय प्रबंधन जैसे विषयों पर भी मार्गदर्शन दिया। कलेक्टर ने कहा कि दुनिया भर की सहकारी समितियों के अच्छे प्रयासों को सीखने और समझने के साथ स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप अपनी समितियों में लागू किया जाना चाहिए।

कार्यशाला में संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त सहकारिता बिलासपुर, सहायक आयुक्त सहकारिता मुंगेली, खाद्य नियंत्रक बिलासपुर सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। विभागीय अधिकारियों एवं तीन मास्टर ट्रेनरों ने सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक सहकारिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया। सहभागी समिति कर्मचारियों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए आयोजन की सराहना की।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला सशक्तिकरण केंद्र सक्ती में जागरूकता अभियान आयोजित

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 (जिला बाल संरक्षण इकाई) एवं महिला सशक्तिकरण केंद्र, महिला एवं बाल विकास विभाग जिला-सक्ती के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बेल्हाडीह में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।



कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बच्चों के अधिकार, सुरक्षा, बाल विवाह, बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं समान अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासन की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संदेश को भी प्रसारित किया गया। विद्यार्थियों को बालिकाओं के सम्मान, शिक्षा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में समाज की सहभागिता के महत्व से अवगत कराया गया। बच्चों के रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निबंध, रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना तथा उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधान पाठक भारती साहू, जिला मिशन समन्वयक सूचि शुक्ला (हब), परियोजना समन्वयक चाइल्ड हेल्पलाइन गजानंद दास, जेंडर विशेषज्ञ सतीश नेताम एवं सुशीला जोशी, गाइडिंग लाइन काउंसलर अमितेश प्रजापति, शशि गभेल वित्तीय साक्षरता एवं समन्वय विशेषज्ञ, चाइल्ड लाइन पर्यवेक्षक सुनीता मंडल, चाइल्ड लाइन केस वर्कर विष्णु प्रसाद, केशव प्रसाद एवं शिक्षकगण की गरिमामयी उपस्थिति एवं योगदान रहा।

कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने खुद ग्राहक बनकर बढ़ाया दीदियों का हौसला, 'लोकल अपनाओ' का दिया संदेश

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और महिला स्व-सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल बिहान मेला इन दिनों आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित शनि मंदिर के पास आयोजित बिहान मेले में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने एक अलग अंदाज में महिला समूहों का उत्साह बढ़ाया। वे निरीक्षण के लिए पहुंचीं, लेकिन यहां केवल व्यवस्थाओं का जायजा ही नहीं लिया, बल्कि खुद ग्राहक बनकर दीदियों के स्टॉल से स्थानीय उत्पादों की खरीदारी भी की।

कलेक्टर त्रिपाठी ने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार छिंद की टोकरी एवं माला, मल्टीग्रेन आटा, मिट्टी



के दीये और ऊन से बने आकर्षक फूल खरीदे। इतना ही नहीं, जंगली पौधे के पत्तों से तैयार छिंद की माला पहनकर उन्होंने स्थानीय हुनर और उत्पादों के प्रति अपना समर्थन भी प्रदर्शित किया। उनके इस प्रोत्साहन से मेले में मौजूद महिला समूहों की दीदियों के चेहरे खिल उठे।

इस दौरान कलेक्टर त्रिपाठी ने कहा कि स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पाद गुणवत्ता और कलात्मकता के लिहाज से बेहद आकर्षक हैं। ऐसे ही उत्पाद ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दो से तीन गुना अधिक कीमत पर मिलते हैं, जबकि बिहान मेले में ये किफायती दरों पर उपलब्ध हैं। इनकी खरीदारी से सीधे ग्रामीण महिलाओं की आमदनी बढ़ती है और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिलता है। उन्होंने बताया कि जिले में 52 हजार दीदियां लखपति दीदी बन चुकी हैं, जो विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं।

कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की कि दीपावली के अवसर पर बाजार में उपलब्ध स्थानीय एवं हस्तनिर्मित उत्पादों को प्राथमिकता दें, ताकि ग्रामीण महिलाओं के हुनर को उचित पहचान और उनके परिश्रम को बेहतर बाजार मिल सके। जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी ने भी मेले में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि महिला स्व-सहायता समूहों को स्थानीय स्तर पर आर्थिक संबल प्रदान करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

विष्णु के पाती पाकर खुश हुईं लखपति दीदी सूरज यादव

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से शुभकामना संदेश के रूप में भेजी गई श्विष्णु के पातीश् पाकर सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत दरिमा की रहने वाली लखपति दीदी सूरज यादव बेहद खुश हैं। विष्णु के पाती मिलने पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं और महिला स्व-सहायता समूह से मिले सहयोग ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। कभी छोटे से चाट ठेले से आजीविका की शुरुआत करने वाली सूरज यादव आज अपना होटल संचालित कर रही हैं और लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं।



10 हजार रुपये के ऋण से शुरू हुआ आत्मनिर्भरता का सफर

ग्राम गरिमा की रहने वाली सूरज यादव शिव शक्ति महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। उन्होंने बताया कि समूह से पहली बार 10 हजार रुपये का ऋण लेकर छोटा सा चाट ठेला शुरू किया। इससे हुई आमदनी ने उन्हें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास दिया। इसके बाद उन्होंने समूह से 15 हजार रुपये का ऋण लेकर अपनी गिरवी रखी कृषि भूमि छुड़ाई।

स्वास्थ्य सेवाओं से खिलवाड़ः बाराद्वार में बिना वैध पंजीयन और एमडी पैथोलॉजिस्ट के संचालित हो रही पैथोलॉजी लैब्स

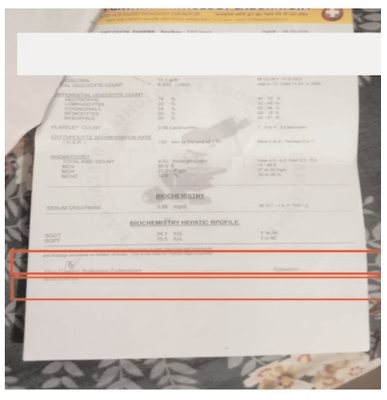
विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। नगर में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने का एक गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय स्तर पर संचालित कुछ पैथोलॉजी सेंटरों की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं, जहाँ नियमों को ताक पर रखकर जाँच रिपोर्टें जारी की जा रही हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाराद्वार क्षेत्र में संचालित 'माँ गायत्री पैथोलॉजी लैब्स' की जाँच रिपोर्टों की जब पड़ताल की गई, तो उसमें कई चौंकाने वाली और गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

जाँच रिपोर्ट में क्या मिलीं कमियाँ?

पंजीयन का अभाव: रिपोर्ट या लैब में छत्तीसगढ़ क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के तहत जारी वैध पंजीयन क्रमांक का उल्लेख नहीं मिला। विशेषज्ञ डॉक्टर की मुहर नदारद: रिपोर्ट पर किसी भी एमडी पैथोलॉजिस्ट का पूरा नाम,



शैक्षणिक योग्यता और उनका मेडिकल काउंसिल पंजीयन नंबर दर्ज नहीं है, केवल अस्पष्ट हस्ताक्षर दिखाई दे रहे हैं।

मेलिको-लीगल चेतावनी: सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि लैब की रिपोर्ट के नीचे स्पष्ट रूप से 'दिस इज़ नॉट वेलिड फॉर मेडिको-लीगल पर्पस' लिखा हुआ है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किसकी निगरानी और प्रमाणिकता के आधार पर ये रिपोर्टें मरीजों को दी जा रही हैं और उनके आधार पर इलाज कैसे हो रहा है?

संचालक का अजीब तर्क और पुराने दस्तावेज - मामले में जब लैब संचालक से उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने वर्ष 2020 में सीएमएचओ कार्यालय में जमा किए गए आवेदन की पुरानी पावती और बायोमेडिकल वेस्ट से जुड़ी पुरानी रसीदें दिखा दीं। वर्तमान वित्तीय वर्ष का वैध पंजीयन प्रमाण पत्र, एमडी पैथोलॉजिस्ट की डिग्री, उनका पंजीयन और अनुबंध से जुड़े दस्तावेज मांगने पर संचालक कोई भी संतोषजनक जवाब या वर्तमान दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा पाए। यहाँ तक कि व्हाट्सएप के माध्यम से 24 घंटे का समय दिए जाने के बावजूद उनकी ओर से कोईद्द विस्तृत स्पष्टीकरण नहीं दिया गया।

मेरा युवा भारत के स्वयंसेवक ने बच्चों को शिक्षा एवं पोषण के प्रति किया जागरूक



विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। मेरा युवा भारत, बलरामपुर के स्वयंसेवक प्रसंजीत बनिक द्वारा बुधवार को विकासखंड शंकरगढ़ की प्राथमिक शाला बचवार में शिक्षा एवं पोषण आहार पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा के प्रति रुचि बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया। बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए पेन एवं कॉपी का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार का महत्व बताते हुए हरी सब्जियां, मौसमी फल, दाल व दूध को दैनिक भोजन में शामिल करने की सलाह दी गई तथा समझाया गया कि उचित पोषण शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक है। अंत में विद्यार्थियों को स्नैक्स वितरित किए गए।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल, आत्मनिर्भरता के साथ बढ़ रहा आत्मविश्वास

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता महिलाओं की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने के साथ ही उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा की भावना भी बढ़ा रही है।

सरगुजा जिले की महिलाएं इस सहायता राशि का उपयोग अपनी घरेलू आवश्यकताओं, आजीविका गतिविधियों और परिवार की खुशियों के लिए कर रही हैं। ऐसी ही एक हितग्राही हैं अम्बिकापुर जनपद पंचायत कार्यालय में छोटी सी कैंटीन



संचालित करने वाली रानी सिंह, जिनके लिए महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल का माध्यम बनी है।

छोटी सी कैंटीन से परिवार की जिम्मेदारी, महतारी वंदन से मिला अतिरिक्त सहारा - रानी सिंह अम्बिकापुर जनपद पंचायत कार्यालय में कैंटीन संचालित कर अपनी आजीविका अर्जित करती हैं। कैंटीन के माध्यम से होने वाली आमदनी से वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। ऐसे में महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हर महीने मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके लिए अतिरिक्त सहारा साबित हो रही है। इस राशि से उन्हें अपनी व्यक्तिगत जरूरतों और त्योहारों से जुड़े छोटे-मोटे खर्चों को पूरा करने में मदद मिल रही है।

रानी सिंह बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता मिलना एक बड़ी राहत है। इससे महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। अपनी जरूरत के अनुसार राशि खर्च करने की सुविधा से महिलाओं में आत्मसम्मान और आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।

दीपावली से पहले खाते में आई राशि, लक्ष्मी पूजा की तैयारियों को लेकर दिखी खुशी - महतारी वंदन योजना की सहायता राशि मिलने पर रानी सिंह ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि दीपावली से पहले राशि प्राप्त होने से वे इस बार लक्ष्मी पूजा अच्छी तरह मना सकेंगी।

मनेंद्रगढ़ में बीजेपी की भव्य पदयात्रा

विश्व केसरी■

मनेंद्रगढ़ (राजेश उपाध्याय)। जिले के मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया। कैबिनेट मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित इस पदयात्रा में कार्यकर्ताओं और आम जनता का भारी हुजूम देखने को मिला।

पदयात्रा की शुरुआत से पहले भगत सिंह चौक के समीप एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। मंच से सभा को संबोधित करते हुए भरतपुर-सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने देश की विपक्षी पार्टियों के खिलाफ जमकर आवाज बुलंद की। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल देश



में अराजकता फैलाकर लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे बीजेपी का कार्यकर्ता कभी सफल नहीं होने देगा।

इसके पश्चात मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और विधायक रेणुका सिंह की मौजूदगी में भगत सिंह चौक से पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक तक जनसैलाब के साथ रैली के रूप में पदयात्रा निकाली गई। यात्रा के दौरान मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी विपक्षी दलों पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि जनता सब समझ चुकी है और अराजक तत्वों तथा विपक्ष की अवसरवादी राजनीति को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पदयात्रा में गूंजते नारों और उत्साह के साथ पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक पहुंचकर यात्रा का समापन हुआ, जहां महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर देश में लोकतंत्र की मजबूती का संकल्प लिया गया।

शेयर बाजार लगातार छठे दिन तेजी के साथ बंद, मार्केटकैप 28 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

विश्व केसरी



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 2,008.61 अंक या 2.60 प्रतिशत की तेजी के साथ 79,310.01 और निफ्टी 576 अंक या 2.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,536.60 पर था।

बाजार में लगातार छह दिनों की तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप करीब 28 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 501 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया है, जो कि 28 अक्टूबर को 473 लाख करोड़ रुपए था।

कारोबारी सत्र में बाजार में व्यापक आधार पर तेजी देखी गई। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 106.05 अंक या 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,132.45 और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,115.40 अंक या 1.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60,620.90 पर था। सूचकांकों में निफ्टी ऑटो (4.14 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (3.99 प्रतिशत) और निफ्टी रियल्टी (3.52 प्रतिशत) टॉप गेनर्स थे। इसके अलावा, निफ्टी प्राइवेट बैंक (3.44 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (3.13 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (2.42 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (2.32 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (2.16 प्रतिशत), निफ्टी कंज्पशन (1.94 प्रतिशत) और निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग (1.29 प्रतिशत) सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे। दूसरी तरफ निफ्टी इंडिया डिफेंस (1.69 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.84 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (0.52 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (0.02 प्रतिशत) की गिरावट के साथ बंद हुए।

सूचकांकों में बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, एमएंडएम, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, सन फार्मा, एलएंडटी, टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, एचयूएल और ट्रेंट गेनर्स थे। भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, आईटीसी, बीईएल और एनटीपीसी लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के नतीजों ने भारतीय शेयर बाजार को नई गति दी है। बाजार में तेजी इस उम्मीद से आई है कि वाशिंगटन का रुख अब थोड़ा संयमित हो सकता है, जिससे ईरान विवाद और टैरिफ नीतियों से जुड़े तनाव कम होने की राह खुल सकती है। भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आने का खतरा कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। इसके अलावा, अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और डॉलर में नरमी आने से भारत के महंगाई के अनुमान और बाहरी खातों पर दबाव भी कम हुआ है।

अमेरिकी चुनाव नतीजों के बाद धड़ाम हुआ कच्चा तेल, ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर से नीचे फिसला

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक कच्चे तेल बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड 94 डॉलर प्रति बैरल से नीचे फिसल गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई भी 87 डॉलर प्रति बैरल के नीचे पहुंच गया। अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बड़ी जीत और ईरान के साथ संभावित तनाव कम होने की उम्मीदों ने तेल की कीमतों पर भारी दबाव डाला है।

इस बीच, भारतीय रुपया लगातार पांचवें सत्र में मजबूत हुआ। बुधवार को 94.64 के स्तर पर बंद होने के बाद रुपया गुरुवार को 29 पैसे की बढ़त के साथ 94.35 प्रति डॉलर पर खुला।

बाजार में सबसे बड़ी चिंता रहे पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक जोखिमों का असर अब कम होता दिखाई दे रहा है। निवेशकों का मानना है कि अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक बढ़त के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए ईरान के खिलाफ आक्रामक सैन्य



रुख अपनाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो सकता है। इससे कूटनीतिक समाधान की उम्मीद बढ़ी है और तेल बाजार में जोखिम प्रीमियम कम हुआ है।

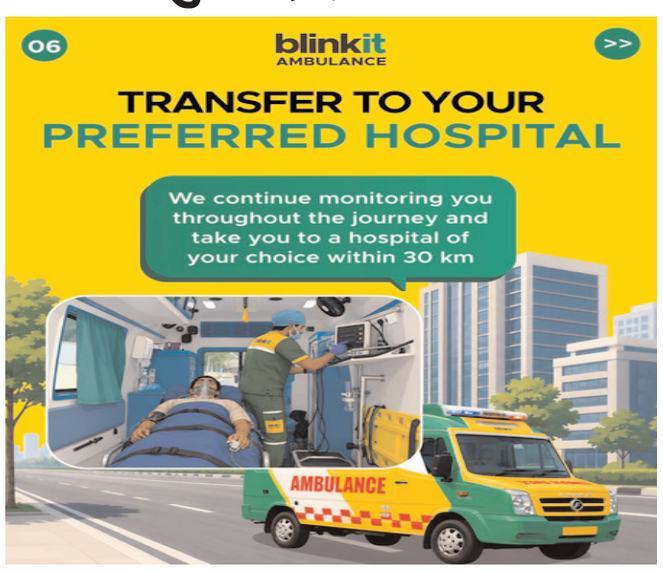
गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 1 प्रतिशत गिरकर 93.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.36 प्रतिशत टूटकर 86.92 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले दोनों बेंचमार्क बुधवार को 8 प्रतिशत से अधिक टूटे थे और अगस्त के अंत के बाद के सबसे निचले स्तर पर बंद हुए थे।

इस सप्ताह अब तक कच्चे तेल की कीमतों में करीब 16 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है, जो हाल के वर्षों की सबसे तेज साप्ताहिक गिरावटों में से एक मानी जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, खाड़ी देशों के सरकारी हलकों से जुड़े सूत्रों का मानना है कि ईरान पर बड़े पैमाने के सैन्य हमले की संभावना अब पहले की तुलना में कम हो गई है। वहीं राष्ट्रपति ट्रंप ने भी संकेत दिया है कि फिलहाल अमेरिका की ओर से ईरान पर तत्काल हमला करने की कोई योजना नहीं है।

इसके साथ ही उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी युद्ध की उपयोगिता पर सवाल उठाए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी नतीजों के बाद अमेरिकी प्रशासन पर कूटनीतिक समाधान खोजने का दबाव बढ़ सकता है। इसी उम्मीद ने बाजार में भारी बिकवाली को जन्म दिया। कच्चे तेल की आपूर्ति स्थिति में भी सुधार के संकेत मिले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति लगभग युद्ध-पूर्व स्तरों के करीब पहुंचने लगी है। इससे वैश्विक बाजार में आपूर्ति को लेकर चिंताएं कम हुई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, खाड़ी क्षेत्र से तेल आपूर्ति बहाल होने के बाद वैश्विक तेल बाजार एक बार फिर अधिशेष (सरप्लस) की स्थिति में पहुंच रहा है।

ब्लिंकिट ने गैर-आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा के लिए लागू किया 2,500 रुपए शुल्क, इमरजेंसी सेवाएं रहेंगी मुफ्त

विश्व केसरी



नई दिल्ली। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट ने गुरुवार को गैर-आपातकालीन (नॉन-इमरजेंसी) एम्बुलेंस बुकिंग के लिए 2,500 रुपए का एक समान शुल्क लागू करने की घोषणा की है। हालांकि कंपनी ने स्पष्ट किया है कि आपातकालीन चिकित्सा जरूरतों के लिए एम्बुलेंस सेवा पहले की तरह पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध रहेगी।

यह जानकारी साझा करते हुए इटरनल के संस्थापक दीपिंदर गोयल ने कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि बड़ी संख्या में लोग एम्बुलेंस सेवा का इस्तेमाल नियमित चिकित्सा जरूरतों, डॉक्टर से परामर्श, सामान्य स्वास्थ्य जांच और अस्पताल से घर तक आने-जाने के लिए करने लगे थे, जबकि इन यात्राओं के लिए सामान्य परिवहन सेवाओं का उपयोग किया जा सकता था।

गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मैंने जोमैटो की शुरुआत सेवा भाव से की थी। ब्लिंकिट एम्बुलेंस आज उसी सेवा भाव का साकार स्वरूप है। पिछले दो वर्षों में ब्लिंकिट की एम्बुलेंस सेवा ने लगभग 42,000 मामलों में सहायता प्रदान की है। इनमें करीब 20,000 मामले वास्तविक आपातकालीन स्थितियों से जुड़े थे।' उन्होंने आगे कहा कि कंपनी ने अब तक इन सेवाओं के लिए किसी भी मरीज से कोई शुल्क नहीं लिया है और आपातकालीन सेवाओं को भविष्य में भी मुफ्त बनाए रखने की योजना है।

उन्होंने बताया कि मुफ्त सेवा होने के कारण बड़ी संख्या में बुकिंग नियमित और गैर-गंभीर जरूरतों के लिए होने लगी थीं, जिससे ऐसी अत्याधुनिक एम्बुलेंसें, जिनमें पैरामेडिक्स और जरूरी चिकित्सा उपकरण मौजूद होते हैं, कई बार उन लोगों के लिए उपलब्ध नहीं रह पाती थीं जिनकी जान तत्काल चिकित्सा सहायता पर निर्भर होती है। इसी स्थिति को देखते हुए कंपनी ने नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत आपातकालीन चिकित्सा परिवहन पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा, जबकि गैर-आपातकालीन उपयोग के लिए प्रति यात्रा 2,500 रुपए शुल्क लिया जाएगा। यह राशि यात्रा पूरी होने के बाद ली जाएगी।

गोयल ने आगे कहा कि यह शुल्क निजी एम्बुलेंस सेवाओं द्वारा आमतौर पर वसूली जाने वाली राशि के लगभग बराबर है। उन्होंने बताया कि इस सेवा से प्राप्त होने वाला धन इटरनल फाउंडेशन को जाएगा, जो इन एम्बुलेंसों का संचालन करती है। इससे भविष्य में एम्बुलेंस नेटवर्क का विस्तार करने में भी मदद मिलेगी। कंपनी को उम्मीद है कि इस कदम से गैर-जरूरी उपयोग में उल्लेखनीय कमी आएगी और उसकी 10 मिनट एम्बुलेंस सेवा वास्तविक आपातकालीन स्थितियों के लिए अधिक उपलब्ध रह सकेगी।

एसोचैम ने केंद्रीय बजट 2027-28 में एलटीसीजी और एसटीटी को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश की

विश्व केसरी



नई दिल्ली। उद्योग संगठन एसोचैम ने आगामी केंद्रीय बजट 2027-28 के लिए सरकार को दिए अपने प्री-बजट ज्ञापन में स्थिर और निवेश-अनुकूल कर व्यवस्था बनाने, कर विवादों को कम करने तथा दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) और सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश की है। उद्योग निकाय का मानना है कि ऐसे कदम भारत को वैश्विक निवेश और विनिर्माण केंद्र के रूप में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेंगे।

एसोचैम ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर सुधारों से संबंधित कई सुझाव देते हुए एक पारदर्शी, पूर्वानुमेय और निवेशकों के अनुकूल कर ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया। उद्योग संगठन का कहना है कि इससे आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी, घरेलू विनिर्माण को मजबूती मिलेगी, विदेशी निवेश आकर्षित होगा और कारोबार सुगमता में सुधार होगा। एलटीसीजी कर व्यवस्था को लेकर एसोचैम ने सुझाव दिया है कि एक वर्ष से अधिक लेकिन दो वर्ष से कम अवधि तक रखी गई प्रतिभूतियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर की दर घटाकर 10 प्रतिशत की जाए।

वहीं दो वर्ष से अधिक अवधि तक निवेश बनाए रखने वाले निवेशकों के लिए शून्य या लगभग 5 प्रतिशत की रियायती कर दर लागू करने पर विचार किया जाना चाहिए।

वैकल्पिक रूप से उद्योग संगठन ने सुझाव दिया है कि दीर्घकालिक निवेश रखने वाले निवेशकों को एलटीसीजी कर देनदारी के विरुद्ध सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) का क्रेडिट प्रदान किया जाए। एसोचैम का मानना है कि एलटीसीजी और एसटीटी के संयुक्त कर बोझ को कम करने से दीर्घकालिक निवेश को बढ़ावा मिलेगा, निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा और पूंजी बाजारों को समर्थन मिलेगा।

प्रत्यक्ष कर सुधारों के तहत एसोचैम ने नए विनिर्माण उद्यमों, विशेष रूप से रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों के लिए रियायती कर व्यवस्था लागू करने की सिफारिश की है।

सोने और चांदी के लिए लंबी अवधि का आउटलुक सकारात्मक, गिरावट खरीदारी का मौका : रिपोर्ट

विश्व केसरी



नई दिल्ली। कैलेंडर वर्ष 2026 में काफी उतार-चढ़ाव रहने के बावजूद, मध्यम से लंबी अवधि में सोने और चांदी का आउटलुक सकारात्मक है। साथ ही, कोई भी गिरावट निवेशकों के लिए खरीदारी के मौका है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है, '2025 में देखी गई काफी हद तक एकतरफा तेजी के विपरीत, 2026 में कीमती धातुओं में कहीं अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। इसकी वजह अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बदलती उम्मीदें, लगातार बनी हुई महंगाई, बॉन्ड यील्ड का ऊंचे स्तर पर रहना और भू-राजनीतिक घटनाक्रम हैं।'

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में कमोडिटीज रिसर्च के प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा कि सोने की निकट अवधि की चाल अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति, महंगाई के रुझान, अमेरिकी डॉलर में उतार-चढ़ाव और वास्तविक बॉन्ड यील्ड पर निर्भर करेगी।

दमानी ने आगे कहा कि केंद्रीय बैंकों द्वारा अपने निवेश में विविधता लाने, लगातार बनी हुई निवेश मांग और वित्तीय अनिश्चितताओं के कारण सोने को एक मजबूत आधार मिल रहा है।

रिपोर्ट में सोने के लिए 'गिरावट पर खरीदारी' की रणनीति अपनाने का सुझाव दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, 3,800-3,900 डॉलर प्रति औंस के दायरे को खरीदारी के लिए एक अच्छा स्तर माना गया है, जिसमें अल्पकालिक लक्ष्य 4,200 डॉलर और मध्यम अवधि का लक्ष्य 4,500-4,700 डॉलर तय किया गया है। भारत में 1,35,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को खरीदारी के लिए उपयुक्त माना गया है। इसके लिए अल्पकालिक लक्ष्य 1,48,000 रुपए और मध्यम अवधि का लक्ष्य 1,60,000-1,68,000 रुपए निर्धारित किया गया है।

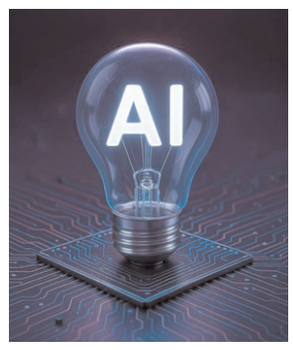
रिपोर्ट के अनुसार, ऊंची कीमतों के बावजूद सोने में निवेश की मांग मजबूत बनी हुई है। अगस्त और सितंबर 2026 के दौरान वैश्विक गोल्ड ईटीएफ होल्डिंग्स में लगभग 187 टन की वृद्धि हुई, जिससे यह 4,256 टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वहीं, तीसरी तिमाही में इसमें 31 अरब डॉलर का रिकॉर्ड निवेश (इनफ्लो) आया। भारत में, सितंबर महीने में गोल्ड ईटीएफ में निवेश 71 प्रतिशत बढ़कर 44.5 अरब रुपए हो गया, जबकि सिल्वर ईटीएफ में 19.7 अरब रुपए का निवेश आया।

जनवरी 2026 में सोने की कीमत लगभग 5,600 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें गिरावट आई और कीमत 4,000 डॉलर से नीचे चली गई, हालांकि बाद में इसमें फिर से सुधार देखने को मिला। चांदी की कीमत भी 100 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें और भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में दीपावली और धनतेरस कीमती धातुओं की खरीदारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में से हैं। इस दौरान पारंपरिक खरीदारी के तरीकों, शादी-विवाह के सीजन और सोने-चांदी के सांस्कृतिक महत्व के कारण इनकी मांग काफी बढ़ जाती है। ऐतिहासिक प्रदर्शन से भी पता चलता है कि दीपावली से पहले के 30 दिनों में, दीपावली के बाद के 30 दिनों की तुलना में, सोने ने आमतौर पर बेहतर रिटर्न दिया है।

एआई अगले 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था में जोड़ सकता है 79 अरब डॉलर: रिपोर्ट

विश्व केसरी



नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अगले एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था में 79 अरब डॉलर तक का योगदान दे सकती है। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, एआई क्षमता के मामले में भारत 56 कॉमनवेल्थ देशों में 11वें स्थान पर है और युवाओं की बड़ी आबादी के कारण वैश्विक एआई परिदृश्य में उसकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

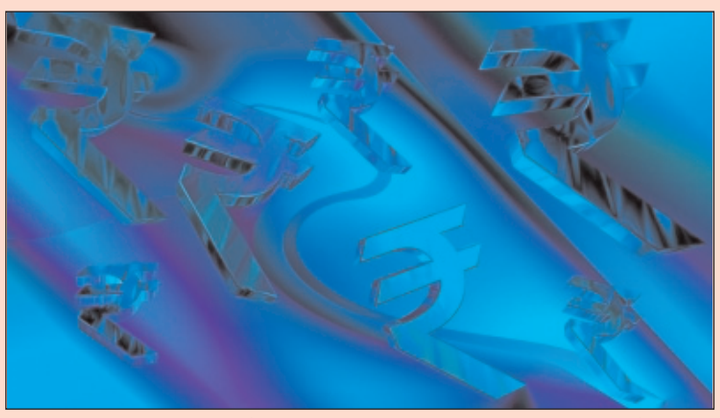
आयर थिंक टैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 38.2 करोड़ युवा हैं, जो कॉमनवेल्थ देशों की कुल 73.2 करोड़ युवा आबादी के आधे से अधिक हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह जनसांख्यिकीय ताकत भारत को एआई आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय युवाओं में एआई को लेकर उत्साह काफी अधिक है। लगभग 89 प्रतिशत युवा अगले एक वर्ष के भीतर शिक्षा या रोजगार से जुड़े कार्यों में एआई का उपयोग करना चाहते हैं। वहीं 60 प्रतिशत से अधिक युवाओं ने कहा कि उन्हें एआई-आधारित उपकरणों के साथ काम करने और उनका उपयोग करने का आत्मविश्वास है।

भारत के व्यापक डिजिटल बुनियादी ढांचे, मजबूत 4जी कनेक्टिविटी और दुनिया के सबसे सस्ते मोबाइल डेटा में से एक होने के कारण एआई अपनाने की क्षमता को भी बड़ा समर्थन मिला है। हालांकि रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि अभी केवल लगभग दो-तिहाई युवाओं के पास ही व्यक्तिगत मोबाइल फोन हैं, जो डिजिटल पहुंच के क्षेत्र में मौजूद चुनौतियों को दर्शाता है। रिपोर्ट ने श्रम बाजार से जुड़े कुछ मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया है। इसके अनुसार करीब 30 प्रतिशत युवा रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण से बाहर हैं, जबकि लगभग 86 प्रतिशत युवा कार्यबल असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है। ऐसे में एआई आधारित कौशल विकास कार्यक्रम रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आयर थिंक टैंक के विश्लेषण के अनुसार, मध्यम परिदृश्य में एआई भारत की जीडीपी में अगले 10 वर्षों में 79.1 अरब डॉलर का अतिरिक्त योगदान दे सकता है।

भारत में डेटा सेंटर निवेश और व्यापार समझौते रुपए को कमजोर किए बिना आर्थिक विकास को दे सकते हैं बढ़ावा: रिपोर्ट

विश्व केसरी



नई दिल्ली। भारत में डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेश और नए व्यापार समझौतों से शुरुआत में आयात बढ़ सकता है और व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है। हालांकि, अगर इन निवेशों का वित्तपोषण विदेशी पूंजी से होता है और इनसे भविष्य में निर्यात को बढ़ावा मिलता है, तो रुपए पर दबाव जरूरी नहीं है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

एचएसबीसी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में तेजी से उभरता डेटा सेंटर उद्योग और व्यापार समझौतों का बढ़ता नेटवर्क देश की मध्यम अवधि की आर्थिक विकास संभावनाओं और भुगतान संतुलन की स्थिति को बेहतर बना सकता है। इसके लिए जरूरी नहीं कि रुपए पर कमजोरी आए।

रिपोर्ट में कहा गया, 'कम चालू खाता घाटा अपने आप में मजबूती का संकेत नहीं होता और न ही बढ़ता हुआ घाटा जरूरी तौर पर आर्थिक दबाव को दर्शाता है। महत्वपूर्ण यह है कि घाटे का वित्तपोषण किस तरह किया जा रहा है और क्या यह व्यापार योग्य क्षेत्रों में निवेश को प्रतिबिंबित करता है।'

रिपोर्ट में भारत के डेटा सेंटर क्षेत्र के तेजी से विस्तार को रेखांकित करते हुए कहा गया कि इस क्षेत्र में करीब 70 अरब डॉलर का निवेश पहले से ही चल रहा है, जबकि अतिरिक्त 90 अरब डॉलर की घोषित परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं।

इसमें यह भी कहा गया कि रुपए पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने के लिए केवल चालू खाता घाटे पर ध्यान देने के बजाय पूंजी प्रवाह और उन परिस्थितियों को भी देखना जरूरी है, जिनमें डेटा सेंटर और व्यापार समझौते रुपए के अनुकूल साबित हो सकते हैं। हालांकि, अल्पावधि में एडवांस चिप, सर्वर, कूलिंग सिस्टम और बिजली से जुड़े उपकरणों के आयात से वस्तु व्यापार घाटा काफी बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेटा सेंटर के निर्माण पर होने वाली कुल लागत का करीब 75 प्रतिशत हिस्सा आयात पर खर्च होता है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत को यह आकलन करना चाहिए कि आयात पूंजीगत वस्तुओं का है या मध्यवर्ती वस्तुओं का, जो आगे चलकर विनिर्माण और निर्यात क्षमता बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। चीन ने भी इसी तरह का मॉडल अपनाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, वियतनाम ने पहले यह दिखाया था कि शुरुआत में आयात बढ़ सकता है, लेकिन यदि यह निर्यात क्षेत्र में निवेश का हिस्सा है तो आगे चलकर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और निर्यात में मजबूती देखने को मिलती है।







गोबर के दीयों से रोशन हो रही महिलाओं की आत्मनिर्भरता की राह

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। उत्तर बस्तर कांकेर 05 नवम्बर 2026/ दीपावली के अवसर पर जब हर घर रोशनी से जगमगाने की तैयारी में है, तब जिले के चारामा विकासखंड के ग्राम भिलाई की महिलाएं अपने हाथों से तैयार प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल गोबर के दीयों से न केवल घरों को रोशन कर रही हैं, बल्कि अपनी आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह भी प्रकाशित कर रही हैं।

चारामा विकासखण्ड के ग्राम भिलाई के सरगम उत्पादक समूह, बिहान से जुड़कर स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का उत्कृष्ट उदाहरण बन रहा है। वर्ष 2016 में महज 10 महिलाओं से शुरू हुआ यह समूह आज 36 महिलाओं को आजीविका से जोड़ चुका है।

गोबर से तैयार होते हैं सुंदर और प्राकृतिक दीपक

समूह की महिलाएं गोबर से दीये तैयार करने की पूरी प्रक्रिया स्वयं करती हैं। गोबर को एकत्रित कर उसे अच्छी तरह तैयार किया जाता है और आवश्यक सामग्री के साथ



मिश्रण बनाकर सांचों की सहायता से विभिन्न आकार के दीये तैयार किए जाते हैं। इसके बाद इन्हें सुखाया जाता है और बिक्री के लिए तैयार किया जाता है। प्राकृतिक सामग्री से बने ये दीये पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही ग्रामीण महिलाओं की मेहनत और स्थानीय हुनर की पहचान भी है। समूह की सदस्य सुभद्रा नागराज बताती हैं कि वर्ष 2022 में उन्हें गोबर के दीये बनाने की प्रेरणा मिली। पहले वर्ष महिलाओं ने करीब 10 हजार दीये तैयार किए, जिससे उन्हें लगभग 20 हजार रुपये का लाभ प्राप्त हुआ। इस सफलता ने महिलाओं का उत्साह बढ़ाया और धीरे-धीरे यह कार्य समूह की आय का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गया।

इस वर्ष अब तक बिक चुके हैं 11 हजार से अधिक दीये

समूह की सदस्य ममता नागराज ने बताया कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर समूह द्वारा तैयार किए गए 11 हजार 400 गोबर के दीये अब तक बेचे जा चुके हैं। दीपावली को देखते हुए लगातार नए ऑर्डर भी मिल रहे हैं, जिसके कारण महिलाएं उत्पादन बढ़ाने में जुटी हुई हैं। वर्तमान में समूह की महिलाएं प्रतिदिन लगभग 500 दीये तैयार कर रही हैं। इन दीयों की बिक्री सी-मार्ट, स्थानीय हाट-बाजारों और अन्य स्थानों के माध्यम से की जा रही है। समूह को रायपुर से भी ऑर्डर मिलने की जानकारी मिली है, जिससे महिलाओं का उत्साह और बढ़ गया है। एक समूह, आजीविका के कई अवसर -सरगम उत्पादक समूह केवल गोबर के दीये ही नहीं बनाता, बल्कि महिलाओं ने स्थानीय संसाधनों और अपनी मेहनत के बल पर आय के कई साधन विकसित किए हैं। समूह द्वारा आम का अमचूर पाउडर, इमली का संग्रहण एवं प्रसंस्करण, आम का अचार, राखी निर्माण और मशरूम उत्पादन जैसे कार्य भी किए जाते हैं। तैयार उत्पादों को स्थानीय बाजारों के साथ-साथ सी-मार्ट के माध्यम से भी बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाता है।

मशरूम उत्पादन से भी बढ़ी आय

समूह की महिलाओं ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में भी सफलता हासिल की है। महिलाओं ने लगभग 4 हजार रुपये की लागत से मशरूम उत्पादन किया और उसे 7 हजार रुपये में बेचकर करीब 3 हजार रुपये का लाभ अर्जित किया।

त्योहारी सीजन में मिठाइयों में मिलावट रोकने खाद्य विभाग सतर्क

21 खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। उत्तर बस्तर कांकेर, 05 नवंबर 2026/ त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए जिले में मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा जिले के विभिन्न मिठाई दुकानों, कन्फेक्शनरी के थोक प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों एवं होटलों का नियमित निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित किए जा रहे हैं। अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी की जा रही है।



वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं उनकी टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से काजू कतली एवं छेना रसगुल्ला, खीर कदम एवं चॉकलेट मावा बर्फी, कलाकंद एवं बालूशाही, खोवा, बादाम बर्फी, पनीर तथा बर्फी के नमूने लिए गए। इसके अलावा विभिन्न प्रतिष्ठानों से पेड़ा, लड्डू, नारियल बर्फी, पनीर, दूध, दही, नमकीन एवं घी सहित कुल 21 खाद्य पदार्थों के नमूने संकलित कर जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट में नमूने अमानक पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन कार्यालय कांकेर के अभिहित अधिकारी सुष्मित देवांगन ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं को प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई बनाए रखने, अखाद्य रंगों का उपयोग नहीं करने, स्वच्छ पेयजल का इस्तेमाल करने तथा खाद्य पदार्थों को अखबारी कागज में नहीं रखने के निर्देश दिए गए। वहीं बिना लाइसेंस अथवा पंजीयन खाद्य कारोबार करने एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्री बेचने के मामले में दो खाद्य प्रतिष्ठानों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज भी किया गया है। इसके साथ ही तीन खाद्य कारोबारकर्ताओं को सुधार के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किया गया है।

निरीक्षक पारस पटेल की उत्कृष्ट विवेचना लाई रंग

कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या करने वाले आरोपी को दो बार आजीवन कारावास

विश्व केसरी■

नवागढ़ (नीरज शर्मा)। जिले के नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम भठली में कीटनाशक मिली शराब पिलाकर दो लोगों की हत्या करने के सनसनीखेज मामले की विवेचना तात्कालिक थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल द्वारा प्रकरण की गंभीरता विवेचना/साक्ष्य संकलन कर आरोपी को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध अभियोग पत्र तैयार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया था। शराब



बिक्री को लेकर सुंदरलाल कुर्रे से विवाद के चलते आरोपी ने 6 मार्च 2025 को देशी शराब की शीशी में कीटनाशक मिलाकर सुंदरलाल के घर पहुंचाई। सुंदरलाल के शराब पीने से मना करने पर आरोपी ने वहां मौजूद सीताराम लहरे एवं रोहित कुमार तेंदुलकर को शराब दे दी। जहरीली शराब पीने से दोनों की तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मामले की विवेचना तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल द्वारा अत्यंत सूक्ष्मता एवं प्रभावी ढंग से की गई। विवेचना के दौरान महत्वपूर्ण साक्ष्य, कीटनाशक के डिब्बे एवं एफएसएल रिपोर्ट संकलित की गई। अभियोजन द्वारा प्रस्तुत 19 गवाहों एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का अपराध संदेह से परे प्रमाणित हुआ।

इस प्रकार निरीक्षक पारस पटेल की उत्कृष्ट विवेचना एवं प्रभावी साक्ष्य संकलन से दोहरे हत्याकांड के आरोपी को न्यायालय से दो बार आजीवन कारावास की सजा दिलाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली।

दुकान की छत पर जाकर फांसी लगाई थी दीपा ने

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। युवती दीपा सागर की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक दीपा की मौत फांसी पर लटकने से हुई थी। इसके अलावा वह सीसीटीवी कैमरे में दुकान की छत की ओर अकेली जाती नजर आई है। पुलिस अब दीपा के मोबइल फोन की कॉल डिटेल निकालने में जुट गई है। कॉल डिटेल से स्थिति और साफ हो जाएगी।

ज्ञात हो कि 2 नवंबर को कोतवाली थाना क्षेत्रांतर्गत बाफना लाइफ स्टाइल कपड़ा दुकान में



कार्यरत युवती दीपा सागर का शव दुकान की छत पर मिलने के मामले में पुलिस द्वारा मर्ग कायम किया गया है। घटना की संवेदनशीलता एवं गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सीएसपी अंशिका जैन आईपीएस के नेतृत्व में 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है। टीम में थाना प्रभारी कोतवाली लीलाधर राठौर, साइबर सेल प्रभारी सागर पाठक, सब इंस्पेक्टर रानी सोनी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सतीश यादव तथा महिला प्रधान आरक्षक उमा भगत शामिल हैं। जांच के दौरान थाना कोतवाली पुलिस और एफएसएल टीम द्वारा मृतका के परिजनों की उपस्थिति में घटना स्थल एवं शव का सूक्ष्म निरीक्षण कर शव पंचनामा की प्रक्रिया पूरी की गई। परिजनों की शंका के आधार पर शव का मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस कार्रवाई की हर एंगल से फोटोग्राफ़ी एवं वीडियोग्राफी कराई गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मृतका के शरीर में किसी तरह की आंतरिक चोट नहीं पाई गई है तथा लिगेचर मार्क होने का उल्लेख करते हुए मृत्यु का कारण फांसी को बताया गया है।

दीपावली की रौनक से गुलजार हुआ चारामा बाजार



विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। दीपावली पर्व नजदीक आते ही चारामा नगर में त्योहार की रौनक दिखाई देने लगी है। नगर के बाजारों और दुकानों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। दीपावली की तैयारियों को लेकर लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई है।

नगर के कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन, मिठाई, सजावट, पूजा सामग्री एवं पटाखों की दुकानों में ग्राहकों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। दुकानदारों ने भी दीपावली को देखते हुए अपनी दुकानों को आकर्षक तरीके से सजाया है और ग्राहकों के लिए विभिन्न प्रकार के सामान उपलब्ध कराए हैं।

शाम होते ही बाजारों में रौनक और भी बढ़ जाती है।

एफआईआर के नाम पर 20 हजार रिश्वत मांगने का आरोप

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ में अब ठगी की शिकायत दर्ज कराने के लिए भी रिश्वत देनी पड़ेगी? जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ थाने से एक ऐसा ही सनसनीखेज मामला सामने आया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि 80 हजार रुपये की ठगी की FIR दर्ज करने के एवज में थाना प्रभारी ने 20 हजार रुपये की मांग की और पैसे नहीं देने पर धमकी तक दे डाली। अब SP से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है।



मामला पामगढ़ थाना क्षेत्र का है। सरयू प्रसाद पूरे और मंजू लता टंडन ने विनेश कुमार मनहर पर 80 हजार रुपये की ठगी का आरोप लगाते हुए 18 मार्च 2025 को थाने में लिखित शिकायत दी थी। लेकिन आरोप है कि FIR दर्ज करने के बजाय थाना प्रभारी ने 20 हजार रुपये रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि पैसे देने से इनकार करने पर उन्हें धमकाया गया और FIR दर्ज करने से साफ मना कर दिया गया।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पूरी घटना के दौरान उनके अधिवक्ता भी मौजूद थे, जो गवाह हैं। अब इस गंभीर आरोप को लेकर पुलिस अधीक्षक से लिखित शिकायत की गई है। उप पुलिस अधीक्षक ने जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वहीं शिकायतकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो थाने का घेराव किया जाएगा। आखिर ठगी की शिकायत पर FIR क्यों नहीं हुई? और रिश्वत मांगने के इन गंभीर आरोपों की जांच कब होगी? अब निगाहें पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई पर टिकी हैं।

पंचायत सचिव भर्ती प्रक्रिया में विसंगतियों पर तत्काल रोक लगाए सरकार : तुलिका कर्मा

विश्व केसरी■

दंतेवाड़ा (मुकेश ठाकुर)। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव एवं जिला पंचायत सदस्य तुलिका कर्मा ने बस्तर संभाग में चल रही पंचायत सचिव भर्ती प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियों का आरोप लगाते हुए राज्य सरकार से भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। तुलिका कर्मा ने कहा कि पंचायत सचिव भर्ती के लिए निर्धारित अर्हता एवं अतिरिक्त अंक देने के प्रावधानों के कारण ग्रामीण पृष्ठभूमि के बेरोजगार युवाओं को चयन प्रक्रिया से बाहर होना पड़ रहा है। डीसीए के ऊपर पीजीडीसीए, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंडरी के ऊपर स्नातक तथा स्नातकोत्तर उपाधि पर अतिरिक्त अंक देने जैसे प्रावधान



ग्रामीण युवाओं के लिए प्रतिकूल साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग लंबे समय तक नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। यहां के ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षों तक शिक्षा और विकास की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाईं। ऐसे में पंचायत सचिव जैसे मैदानी पदों पर भर्ती के दौरान स्थानीय परिस्थितियों और ग्रामीण युवाओं की शैक्षणिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखना आवश्यक है।

तुलिका कर्मा ने मांग की कि पंचायत सचिव पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 12वीं उत्तीर्ण एवं कंप्यूटर डिप्लोमा (डीसीए) के आधार पर चयन का प्रावधान किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को अवसर मिल सके।

पैराडाइज स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई दीपावली

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। पैराडाइज हायर सेकेण्डरी सी.बी.एस.ई. स्कूल कांकेर में नर्सरी से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने मनाया दीपावली का त्योहार, छात्र-छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए सुंदर एवं आकर्षक रंगोलियों बनाई। इसके साथ ही ग्रीटिंग कार्ड, चित्रकला एवं दीपावली से संबंधित विभिन्न कलाकृतियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित किया। नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर मिडिल, हायर कक्षाओं के विद्यार्थियों तक सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय का वातावरण रंग-बिरंगी रंगोलियों, सुंदर चित्रों और दीपावली की सजावट से जगमगा उठा। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति सम्मान, आपसी प्रेम, भाईचारे



और रचनात्मकता की भावना विकसित करना था।

स्कूल प्राचार्या श्रीमती रश्मि रजक ने सभी छात्र-छात्राओं व सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को दीपावाली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियों मनाने का त्योहार नहीं है. बल्कि यह हमें अंधकार से प्रकाश की ओर, असत्य से सत्य की ओर और बुराई से अच्छाई की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है, दीपावली का प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि हमें अपने जीवन में ज्ञान, प्रेम, स ?द्भावना और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाना चाहिए, आप सभी अपने जीवन में शिक्षा का दीप जलाएँ, अपने माता-पिता एवं गुरूजनों का सम्मान करें और दूसरों की सहायता करने का संकल्प लें। इस दीपावली पर हमें कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए। पटाखों से दूर रहकर सुरक्षित दीपावली मनाएँ, पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग करें, जरूदतमंदों के साथ खुशियों बाँटे, प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश फैलाएँ। हम सभी संकल्प लें कि जिस प्रकार दीपावली पर हम अपने घरों को रोशन करते हैं, उसी प्रकार अपने अच्छे विचारों और अच्छे कर्मों से समाज को भी रोशन करेंगे। आप सभी का जीवन सुख, शांति, समृद्धि और सफलता से प्रकाश से सदैव जगमगाता रहें।

सुबह के असेम्बली में मिडिल एवं हायर कक्षा के छात्रा-छात्राओं द्वारा दीपावली क्यो मनाया जाता है उसका महत्व बताते हुये कहा कि दीवाली हमारे देश का सबसे प्रमुख त्यौहार है यह अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इस दिन भगवान श्रीराम चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। लोग दीप जलाकर उनका स्वागत करते हैं।

इस दिन हम अपने घरों को साफ-सुथरा कर दीपक जलाते है और माता लक्ष्मी व भगवान गणेश की पूजा करते है यह त्यौहार हमें जीवन में सदैव अच्छाई और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर श्री रामचंद्र, माता सीता एवं लक्ष्मण के वेशभूषा में शामिल हुये।

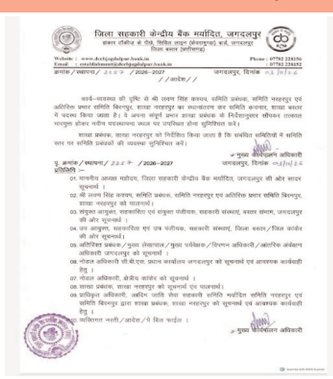
छात्राओं द्वारा त्यौहार का वर्णन इस प्रकार किया गया, गोर्वधन पूजा का महत्व इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र देव के अभिमान को दूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठाया था। इसलिए इस दिन लोग गोवर्धन पूजा करके भगवान श्रीकृष्ण को आभार व्यक्त करते हैं।

अंततः बैंक प्रबंधन ने लैंपस मैनेजर को हटाया

नरहरपुर से हटा कर भेजा कचनार किसान के फर्जी हस्ताक्षर से खाद घोटाले का मामला

विश्व केसरी■

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। अखबार में खबर छपते ही जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित जगदलपुर हरकत में आ गया है। लैंपस सोसायटी कचनार में किसान के फर्जी हस्ताक्षर से खाद निकालने के मामले में बैंक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए समिति प्रबंधक का स्थानांतरण कर दिया है।



बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कार्य-व्यवस्था की दृष्टि से लवण सिंह कश्यप, समिति प्रबंधक, समिति नरहरपुर एवं अतिरिक्त प्रभार समिति बिरनपुर, शाखा नरहरपुर का स्थानांतरण कर समिति कचनार शाखा बस्तर में पदस्थ किया जाता है। वे अपना संपूर्ण प्रभार शाखा प्रबंधक के निर्देशानुसार सौंपकर तत्काल पदस्थापना स्थल पर उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करें।

क्या था पूरा मामला

ग्राम बेड़ा उमरगांव निवासी किसान श्याम लाल कश्यप ने शिकायत की थी कि उसने सोसायटी से खाद ली ही नहीं है, फिर भी 29 सितंबर 2026 को उसके खाते से 11 हजार 359 रुपए 70 पैसे का खाद आहरण दिखा दिया गया है। बैंक रसीद में उसके फर्जी हस्ताक्षर थे।शिकायत करने पर प्रबंधक ने कहा था-जो कराना है करा लो। हमारे समाचार पत्र में खबर छपने और किसान द्वारा थाने में शिकायत करने के बाद ही बैंक प्रबंधन ने इस मामले को गंभीरता से लिया। कचनार समिति में सबसे बड़ा घोटाला हुआ था, अब उसी समिति में नए प्रबंधक की पदस्थापना की गई है।

आदेश में तत्काल उपस्थित होकर कार्यभार ग्रहण करें 'लिखा है, यानी बैंक अब लीपापोती के मूड में नहीं है।

अभी अधूरी है ग्रामीणों की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ तबादला काफी नहीं है। फर्जी हस्ताक्षर करने वाले, रसीद काटने वाले और खाद गबन करने वाले के खिलाफ एफआईआर, वसूली और बर्खास्तगी होनी चाहिए। अगर सिर्फ तबादले से मामला दबाया गया तो किसान फिर आंदोलन करेंगे।



'बेवफा सनम' में नील नितिन मुकेश के साथ काम कर बोलीं कशिका कपूर, कभी नहीं होने दिया सीनियर होने का एहसास

मुंबई। अभिनेत्री कशिका कपूर सॉन्ग 'बेवफा से' में नील नितिन मुकेश के साथ नजर आ रही हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए कशिका ने बताया कि वह कभी आपको यह एहसास नहीं होने देते कि आप किसी सीनियर अभिनेता के साथ काम कर रहे हैं।



> किसी सीनियर एक्टर से आपको हमेशा कुछ न कुछ सीखने को मिलता है और नील को इंडस्ट्री में कई साल काम करने का काफी अनुभव है। यह एक शानदार सीखने वाला अनुभव था और हमने खूब मस्ती भी की। कभी ऐसा लगा ही नहीं कि मैं किसी इतने सीनियर एक्टर के साथ काम कर रही हूं।
>
> – कशिका कपूर

गाने के बारे में ऐसी थी जानकारी

अभिनेत्री ने बताया, "नील नितिन मुकेश के आने से कुछ महीने पहले ही यह प्रोजेक्ट लॉक हो गया था, लेकिन हमें नहीं पता था कि यह गाना सच में बनेगा या इसका कॉन्सेप्ट क्या होगा। आखिर में जब नील नितिन मुकेश फाइनल हुए तो मेकर्स ने गाने की धुन को देखते हुए इसमें एक डांस नंबर जोड़ने का फैसला किया। हमने रिहर्सल शुरू की और सब कुछ काफी अच्छा हुआ।"

जेन जी से जुड़ाव की वजह

कशिका कपूर ने बताया, "मुझे उम्मीद थी कि गाना लोगों को पसंद आएगा, लेकिन जो रिस्पॉन्स मिल रहा है, वो कमाल का है। मुझे लगता है जेन जी इस कहानी से इसलिए जुड़ रहे है, क्योंकि हमारी जनरेशन में ऐसी चीजें काफी आम होती जा रही हैं। ओपन रिलेशनशिप और धोखा जैसी चीजें हम अपने आसपास देखते हैं।"

दर्शकों के प्यार पर जताया आभार

उन्होंने कहा, "लोगों ने हमारे गाने को खुले दिल से अपनाया है और इतना प्यार दिया है। मैं इस रिस्पॉन्स के लिए बहुत आभारी हूं। लोग मेरे डांस और एक्सप्रेशन्स की तारीफ कर रहे हैं और मुझे लगता है सबको यह गाना पसंद आ रहा है। यही हमारी सबसे बड़ी कामयाबी है।"

मीरा राजपूत का नाम सुनते ही करण जौहर ने करिश्मा कपूर को रोका, बोले- 'आगे कुछ मत कहना'



विश्व केसरी ■

मुंबई। करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में एक ऐसा मजेदार पल देखने को मिला, जब करीना कपूर ने अपनी बहन करिश्मा कपूर को फोन लगाया। करिश्मा ने फोन तो उठा लिया लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी बातचीत शो के सेट पर स्पीकर फोन के जरिए सब लोग सुन रहे हैं।

शुरुआत में वह करीना से नॉर्मल बातचीत करती रहीं लेकिन जैसे ही उन्हें पता चला कि उनकी आवाज करण जौहर और शो की टीम भी सुन रही है, वह हैरान रह गईं। इस दौरान उनकी बातचीत में कुछ ऐसा हुआ कि सेट पर मौजूद लोग भी हंसने लगे।

दरअसल, शो के एक खास सेगमेंट में मेहमानों को कुछ मशहूर हस्तियों को फोन करना था और उनसे 'हाय करण, इट्स मी' कहलवाना था। ऐसा करने पर उन्हें पाइंट्स मिलने थे। इसी दौरान करीना ने अपनी बहन करिश्मा को फोन किया। करीना ने उनसे पूछा कि क्या चल रहा है और वह क्या कर रही हैं?

इस पर करिश्मा ने बताया कि वह करीना का टॉक शो 'व्हाट वुमेन वांट' देख रही हैं। इस शो के हालिया एपिसोड में मीरा राजपूत मेहमान बनकर पहुंची थीं। करिश्मा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मैं बस तुम्हें और मीरा को देख रही हूं। सब कह रहे हैं कि आखिर क्या चल रहा है?''

मीरा राजपूत का नाम सुनकर करण जौहर ने बातचीत के बीच में दखल दिया और करिश्मा को रोकते हुए कहा, ''तुम 'कॉफी विद करण' पर हो, इससे आगे कुछ मत कहना।''

करण की बात सुनकर करिश्मा को एहसास हुआ कि उनकी बातचीत स्पीकर पर सब सुन रहे हैं। वह हैरान रह गईं और मजाकिया अंदाज में बोलीं, ''ओह नहीं, तुम मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकती हो बेबो?''

इस पूरे घटनाक्रम में करिश्मा का मीरा का नाम लेने का अंदाज भी चर्चा का विषय बन गया। उन्होंने मीरा का जिक्र कुछ इस तरह किया, जैसे वह अपनी बहन से उनके बारे में कुछ मजेदार बातें साझा करने वाली हों।

बता दें कि शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत हाल ही में करीना कपूर खान के टॉक शो 'व्हाट वुमेन वांट' में पहुंची थीं। शाहिद और करीना एक समय रिश्ते में थे, ऐसे में मीरा का करीना के शो में पहुंचना लोगों के लिए दिलचस्प रहा। शो के दौरान मीरा ने शाहिद के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने शाहिद को बच्चों के लिए एक अच्छा पिता बताया। साथ ही पति और जीवनसाथी के रूप में भी उनकी तारीफ की।

रामायण में कैकेयी बनकर इमोशनल हुई लारा दत्ता, पिता को किया याद, बोलीं- काश वो यहां होते

विश्व केसरी ■

मुंबई। महाकाव्य 'रामायण' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म में अभिनेत्री लारा दत्ता माता कैकेयी के रोल में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस मौके पर अगर उनके पिता जी होते तो उन पर गर्व करते।

लारा दत्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह कैकेयी के रोल में नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, 'जो कई साल पहले एक दिली इच्छा के तौर पर शुरू हुआ था। किसी ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना, जो अपने आप में ऐतिहासिक है। कुछ ऐसा जो वक्त से भी आगे निकल जाए और हमारी जिंदगी का ही हिस्सा हो। आज, वो इच्छा एक ऐसी कहानी में जगह बना रही है, जो अनंत काल से टाइमलेस है।'

अभिनेत्री ने आगे माता कैकेयी का रोल निभाने की जिम्मेदारी पर बात करते हुए लिखा, 'माता कैकेयी का रोल निभाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। वह इतिहास की सबसे गलत समझी जाने वाली महिलाओं में से एक रही हैं। उनका गुस्सा, कमजोरी, अपराधबोध और पछतावा पर्दे पर जीवंत करने की जिम्मेदारी मिलना बहुत बड़ी बात है।'

उन्होंने लिखा, 'मैं दिल से आभारी हूं। आज यह दिव्य कहानी आप सभी तक पहुंच रही है और मुझे उम्मीद है कि मैंने अपने अभिनय से मैं माता कैकेयी के साथ न्याय कर पाई होंगी। आप इस कहानी को सदियों की धारणाओं से आगे बढ़कर देखें और दिव्य भविष्यवाणी को पूरा करने में माता कैकेयी के अहम रोल को अपनाएंगे।'

लारा दत्ता ने उन पर भरोसा करने के लिए प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा और डायरेक्टर नितेश तिवारी को भी धन्यवाद दिया।

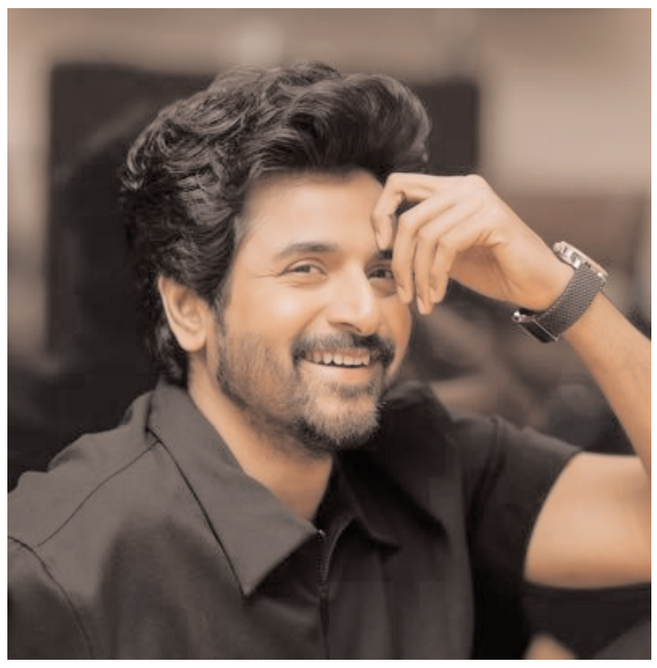
'सेयोन' की शूटिंग के लिए मदुरै जाएंगे शिवकार्तिकेयन, 30 दिनों तक करेंगे शूटिंग

विश्व केसरी ■

चेन्नई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता शिव कार्तिकेयन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। वह निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन की फिल्म 'सेयोन' की शूटिंग जल्द ही दोबारा शुरू करने वाले हैं। फिल्म की टीम ने इसके अगले शेड्यूल की तैयारी कर ली है, जो काफी लंबा होने वाला है। इस शेड्यूल के लिए शिव कार्तिकेयन मदुरै जाएंगे, जहां 25 से 30 दिनों तक फिल्म की शूटिंग की जाएगी।

अभिनेता के करीबी सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि शिवकार्तिकेयन जल्द ही मदुरै के लिए रवाना होंगे। यहां फिल्म का तीसरा शेड्यूल शूट किया जाएगा। एक सूत्र ने बताया, ''फिल्म का तीसरा शेड्यूल काफी लंबा होगा। इसकी अवधि करीब 25 से 30 दिनों की होगी।''

शिवकार्तिकेयन एक साथ निर्देशक रामकुमार बालकृष्णन की आने वाली फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और फिलहाल इसे 'एसके27' कहा जा रहा है। इसकी शूटिंग इस साल 25 सितंबर को शुरू हुई थी।



वहीं, 'सेयोन' की शूटिंग भी जल्द शुरू होने वाली है। फिल्म के लिए अब सिनेमैटोग्राफर विदु अय्यना कैमरा संभालेंगे। इससे पहले इस फिल्म के सिनेमैटोग्राफर विवेक विजयकुमार थे लेकिन तारीखों से जुड़ी परेशानी के कारण उन्हें प्रोजेक्ट छोड़ना पड़ा। कुछ दिन पहले निर्देशक शिवकुमार मुरुगेसन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए फिल्म के कुछ हिस्सों को दोबारा शूट किए जाने की खबरों को खारिज किया था।

निर्देशक ने लिखा था, ''नहीं भाई। विवेक एक बेहतरीन सिनेमैटोग्राफर हैं। यह बदलाव सिर्फ तारीखों से जुड़ी परेशानी के कारण किया गया है क्योंकि उन्होंने पहले ही दो फिल्मों की शूटिंग के लिए अपनी तारीखें दी हुई थीं। 'सेयोन' बहुत शानदार तरीके से बन रही है। शुक्रिया।'' विदु अय्यना इससे पहले शिवकार्तिकेयन की फिल्म 'मावीरन' में सिनेमैटोग्राफर के तौर पर काम कर चुके हैं।

फिल्म के निर्माताओं ने इसी साल 10 जून को पहले शेड्यूल की शूटिंग पूरी होने की जानकारी दी थी।

जेडी मजेठिया की नई सीरीज 'तुलसी है ना' का हिस्सा बनेंगी शुभांगी अत्रे, तुलसी का निभाएंगी किरदार



विश्व केसरी ■

मुंबई। निर्माता, क्रिएटर और अभिनेता जेडी मजेठिया अपनी सीरीज 'चुंबक' की बड़ी सफलता के बाद अब कहानी कहने के एक नए अंदाज के साथ दर्शकों के सामने आने की तैयारी कर रहे हैं। वह अपनी आने वाली सीरीज 'तुलसी है ना' के जरिए एआई की मदद से कहानी पेश करने का नया एक्सपेरिमेंट करने जा रहे हैं।

इस सीरीज में असली चेहरों और आवाजों का इस्तेमाल करते हुए एआई के जरिए दर्शकों को एक अलग अनुभव देने की कोशिश की जाएगी।

'भाबीजी घर पर हैं' से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे इस ड्रामा सीरीज में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। वह सीरीज में तुलसी का किरदार निभाएंगी।

नई सीरीज के बारे में बात करते हुए जेडी मजेठिया ने कहा, ''एक क्रिएटर के तौर पर हम हमेशा समय के साथ आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं। 'चुंबक' के बाद हम यह जानना चाहते थे कि नई तकनीक कहानी कहने के तरीके को किस तरह बेहतर बना सकती है।''

उन्होंने कहा, ''तुलसी है ना' के जरिए हमने एक ऐसा फॉर्मेट तैयार किया है, जिसमें तकनीक कहानी की दुनिया को बड़ा बनाती है, लेकिन उसकी भावनाओं को कम नहीं करती। इस सीरीज में शुभांगी का मुख्य भूमिका निभाना इसे और भी खास बनाता है।''

वहीं, शुभांगी अत्रे भी जेडी मजेठिया के साथ दोबारा काम करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ''जमनादास (जेडी) मजेठिया के साथ काम करना हमेशा खास होता है। हम पहले भी साथ काम कर चुके हैं और अब 'तुलसी है ना' जैसे अलग तरह के प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आना इस अनुभव को और रोमांचक बनाता है।''

सीरीज के नए फॉर्मेट पर बात करते हुए शुभांगी ने कहा, ''एक अभिनेता के तौर पर हम हमेशा कुछ नया करने के मौके तलाशते रहते हैं। इस प्रोजेक्ट ने मुझे कहानी कहने के ऐसे अंदाज का हिस्सा बनने का मौका दिया, जो हमारे लिए अब तक काफी अलग रहा है।

असली अभिनय, आवाजों और एआई का एक साथ इस्तेमाल कई नई संभावनाएं खोलता है। तुलसी का किरदार निभाना मेरे लिए खास अनुभव रहा है। मुझे खुशी है कि मैं ऐसे प्रोजेक्ट का हिस्सा हूं, जो कहानी को सबसे अहम रखते हुए नई तकनीक को अपना रहा है।''

'तुलसी है ना' का प्रीमियर 7 नवंबर को हो सकता है।

कंटेस्टेंट, होस्ट और अब गैंग लीडर... दो दशक में ऐसा रहा बानी जे का 'रोडीज' सफर

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री और टीवी पर्सनैलिटी बानी जे ने करीब दो दशक बाद रियलिटी शो 'रोडीज' में वापसी की है। खास बात यह है कि जिस शो में उन्होंने कभी एक कंटेस्टेंट के तौर पर अपने सफर की शुरुआत की थी, अब उसी शो में वह गैंग लीडर के तौर पर नजर आएंगी।

'रोडीज' के चौथे सीजन से अब तक के सफर को याद करते हुए बानी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में 'रोडीज' काफी बदल गया है और इस दौरान उनमें भी कई बदलाव आए हैं।

बानी ने कहा, ''शो में वापसी करना मेरे लिए काफी दिलचस्प अनुभव है। मैंने इस शो को कई अलग-अलग नजरियों से देखा है। पहले मैं इसकी कंटेस्टेंट रही, फिर होस्ट बनी और अब गैंग लीडर के तौर पर वापसी कर रही हूं। हर भूमिका ने मुझे कुछ नया सिखाया है और यही वजह है कि इस बार लौटना मेरे लिए खास है। गैंग लीडर के तौर पर मैं एक मजबूत गैंग बनाना चाहती हूं



और इस सफर में शामिल होने वाले रोडीज से मिलने का इंतजार कर रही हूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''रोडी बनना आसान नहीं है। इस सफर में आपको हर दिन अपनी जगह खुद बनानी पड़ती है। इस बार ओजी और न्यू जी एक साथ आ रहे हैं, इसलिए मुकाबला पहले से ज्यादा दिलचस्प होने वाला है। नए चेहरे, नए समीकरण, नई दुश्मनी और कुछ ऐसे मोड़ भी देखने को मिलेंगे, जिनकी किसी ने कल्पना नहीं की होगी। यही चीज 'रोडीज' को रोमांचक बनाती है। अब देखते हैं कि राख से उठकर आगे बढ़ने का दम किसमें है।''

बता दें कि 'रोडीज' के नए सीजन में इस बार ओजी बनाम न्यू जी का फॉर्मेट पेश किया गया है। इसमें छह गैंग लीडर दो अलग-अलग टीमों में बंटकर एक-दूसरे को चुनौती देते नजर आएंगे। बानी जे न्यू जी टीम का हिस्सा होंगी। उनके साथ अभिषेक मल्हान और बसीर अली भी टीम में शामिल हैं। वहीं, ओजी टीम में निखिल चिनापा, नेहा धूपिया और प्रिंस नरूला नजर आएंगे।

'रोडीज' से पहचान बनाने के बाद बानी ने 19 साल की उम्र में बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

अवैध धान परिवहन व भंडारण पर जिला प्रशासन सख्त

अंतरराज्यीय सीमा पर संयुक्त टीमों की कार्रवाई में ट्रक-पिकअप सहित सैकड़ों क्विंटल धान जप्त

विश्व केसरी■



बलरामपुर (आफताब आलम)। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से पहले जिला प्रशासन ने अवैध धान परिवहन, भंडारण और बिचौलियों पर कड़ी निगरानी शुरू कर दी है। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने बताया कि सीमावर्ती एवं आंतरिक चेक पोस्टों पर 24 घंटे निगरानी की जा रही है तथा दूसरे राज्यों का धान खरीदी केंद्रों में खपाने की कोशिशों को रोकने के लिए राजस्व, खाद्य, मंडी एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीमें सक्रिय हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीदी व्यवस्था में अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वाड्रफनगर तहसील के धनवार चेक पोस्ट पर संयुक्त टीम ने उत्तर प्रदेश से लाए जा रहे एक ट्रक व चार पिकअप से लगभग 406 क्विंटल धान पकड़ा। वैध दस्तावेज प्रस्तुत न करने पर वाहनों को थाना बसंतपुर को सौंपकर मंडी अधिनियम, मोटर व्हीकल एक्ट एवं कस्टम मिलिंग उपार्जन आदेश 2016 के तहत कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। धनवार में ही खली व भूसे के नीचे छिपाकर लाई जा रही 17 बोरी धान से लदा पिकअप भी पकड़ा गया।

3 नवंबर को राजपुर अनुविभाग में संयुक्त टीम ने बिना वैध दस्तावेज परिवहन किए जा रहे 780 बोरा धान जप्त कर थाना राजपुर को सुपुर्द किया। इसी दिन तुगवा-बलंगी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश से लाए जा रहे दो पिकअप से 128 बोरी धान जप्त कर बलंगी चौकी में रखा गया। ग्राम तल्केश्वरपुर के पास 63 बोरी धान से लदा पिकअप पकड़कर डिंडो चौकी को सौंपा गया। इसके अलावा झारखंड से अवैध धान ला रहे एक पिकअप को रात्रि लगभग 1 बजे पकड़कर थाना रामचंद्रपुर तथा उत्तर प्रदेश से धान ला रहे एक अन्य पिकअप को थाना रघुनाथनगर के सुपुर्द किया गया। सभी प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

मंगल भवन में भव्य दीपावली मिलन समारोह



विश्व केसरी■

बसना (अशोक प्रधान)। बसना नगर के प्रतिष्ठित मंगल भवन परिसर में प्रकाश पर्व दीपावली के पावन उपलक्ष्य में एक भव्य, सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामयी 'दीपावली मिलन समारोह' का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल पर विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के आगमन पर स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, वरिष्ठ प्रबुद्धजनों एवं भारी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ, आतिशबाजी और नारों के साथ उनका आत्मीय व भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्री गणेश एवं मां लक्ष्मी की विधिवत पूजा-अर्चना कर किया। उन्होंने सर्वशक्तिमान प्रभु से समस्त बसना विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की मंगल कामना की। इसके उपरांत विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित कर समारोह का औपचारिक आगाज किया और दीपों के इस पर्व पर समूचे क्षेत्र के आलोकित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भविष्य की कामना की।

दीपावली के उल्लास को साझा करते हुए विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने उपस्थित सभी नागरिकों, सामाजिक प्रतिनिधियों, मातृशक्ति एवं कार्यकर्ताओं को स्नेहपूर्वक दीपावली के उपहार व मिठाइयां भेंट कर पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पूरा परिसर आपसी भाईचारे और उत्सव के उमंग से सराबोर नजर आया।

समारोह को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि दीपावली केवल दीप प्रज्वलित करने का पारंपरिक त्योहार नहीं है, बल्कि यह परस्पर सद्भाव, अटूट विश्वास और अंधकार पर प्रकाश की विजय का पावन संदेश देता है। उन्होंने कहा कि आज बसना विधानसभा क्षेत्र प्रगति और विकास की जिन नई ऊंचाइयों को छू रहा है, वह क्षेत्र की जागरूक और कर्मठ जनता के अपार स्नेह, विश्वास और सतत जनसहयोग का ही प्रतिफल है। जनता की सेवा और क्षेत्र की खुशहाली ही उनके राजनीतिक जीवन का मूल ध्येय है।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने दृढ़ विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी क्षेत्रवासियों का यह अटूट विश्वास, मार्गदर्शन और समर्थन इसी प्रकार निरंतर प्राप्त होता रहेगा।

मधाईभाठा कृषि साख सहकारी समिति में धीरेन्द्र यादव अध्यक्ष नियुक्त

विश्व केसरी■



चकरदा/सरसींवा (सोनू साहू)। जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के विकासखंड बिलाईगढ़ अंतर्गत प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित मधाईभाठा पंजीयन क्रमांक 09 को लेकर सहकारिता विभाग ने महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। कार्यालय सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा 03 नवंबर 2026 को जारी आदेश के अनुसार समिति के बोर्ड की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए अधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 49 (8) में निहित प्रावधानों के तहत सहकारिता विस्तार अधिकारी डी.के. भारद्वाज को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं समिति के गठन संबंधी अनुशंसा के परिप्रेक्ष्य में गैर शासकीय व्यक्ति (कृषक सदस्य) धीरेन्द्र यादव, पिता पंचराम यादव, निवासी ग्राम मधाईभाठा, विकासखंड बिलाईगढ़ को समिति के बोर्ड की शक्तियों का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत किया गया है।

आदेश में छत्तीसगढ़ सहकारी सोसायटी नियम 1962 के नियम 43-ख के उपनियम 4 (1) का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि गठित कमेटी द्वारा 03 नवंबर 2026 को इस संबंध में अनुशंसा की गई थी।

इसी अनुशंसा के आधार पर सहकारिता विभाग ने संबंधित व्यक्ति को आगामी आदेश तक समिति के बोर्ड की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत किया है। उक्त आदेश सहायक आयुक्त सहकारिता एवं सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं कामेश सिंह कश्यप द्वारा कलेक्टर महोदय के अनुमोदन के बाद हस्ताक्षरित कर जारी किया गया है। आदेश की प्रतिलिपि संबंधित प्राधिकृत अधिकारी एवं कलेक्टर जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ को भी भेजी गई है।

इस आदेश के बाद प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मधाईभाठा के संचालन एवं बोर्ड की शक्तियों के उपयोग को लेकर नई व्यवस्था लागू होगी।

बस्तर ओलंपिक प्रतियोगिता में उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए हरि शंकर नेताम सम्मानित

विश्व केसरी■



अंतागढ़ (डम्पी खान)। बस्तर ओलंपिक प्रतियोगिता के अंतर्गत अंतागढ़ क्षेत्र में उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए पत्रकार हरि शंकर नेताम को सम्मानित किया गया। क्षेत्र की जनसमस्याओं, जनहित के मुद्दों और स्थानीय मांगों को प्रमुखता एवं निर्भीकता के साथ उठाने के लिए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्हें प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

हरि शंकर नेताम ने बेहद कम समय में अपनी निष्पक्ष, निर्भीक और जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता के दम पर क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। वे क्षेत्र की छोटी-बड़ी घटनाओं, जनसमस्याओं, विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं और आम जनता की मांगों को प्रमुखता से समाचारों के माध्यम से सामने लाते रहे हैं। उनकी पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य जनता की आवाज को जिम्मेदार अधिकारियों और प्रशासन तक पहुंचाना तथा क्षेत्र की समस्याओं को उचित मंच प्रदान करना रहा है।

वर्तमान में हरि शंकर नेताम प्रतिष्ठित समाचार पत्र नई दुनिया से जुड़कर अंतागढ़ क्षेत्र में पत्रकारिता कर रहे हैं। अपने कार्य के प्रति समर्पण और जनहित के मुद्दों को बेबाकी से उठाने की उनकी कार्यशैली ने कम समय में ही उन्हें क्षेत्र में एक पहचान दिलाई है।

सम्मान समारोह के दौरान जनपद पंचायत के सीईओ प्रफुल्ल गुप्ता, एबीओ नागेंद्र गुप्ता सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने हरि शंकर नेताम के पत्रकारिता क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस सम्मान से न केवल हरि शंकर नेताम का उत्साह बढ़ा है, बल्कि क्षेत्र में जनहित और जनसमस्याओं को प्राथमिकता देने वाली पत्रकारिता को भी प्रोत्साहन मिला है।

भाजपा का नारा 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' आखिर किसके खिलाफ और क्यों : मोक्ष कुमार प्रधान

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। बसना विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मोक्ष कुमार प्रधान ने भारतीय जनता पार्टी के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा आखिर किससे लोकतंत्र को बचाने और किसकी अराजकता हटाने की बात कर रही है? देश में केंद्र की सत्ता भाजपा के पास है और कई राज्यों में भी भाजपा की सरकार है। ऐसे में जनता यह जानना चाहती है कि लोकतंत्र को खतरा किससे है और अराजकता फैलाने वाला कौन है ? मोक्ष कुमार प्रधान ने कहा कि भाजपा के पास आज जनता के बीच जाकर बताने के लिए विकास, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली, युवाओं के रोजगार और आम आदमी की समस्याओं पर ठोस जवाब देने के बजाय राजनीतिक नारों और आरोप-प्रत्यारोप का सहारा लेने की स्थिति बन गई है। जनता के मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए नए-नए अभियान चलाए जा रहे हैं। भाजपा को यह समझना चाहिए कि लोकतंत्र केवल रैली निकालने, नारे लगाने और सत्ता में बने रहने का नाम नहीं है, बल्कि लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ जनता की आवाज सुनना, विपक्ष को सम्मान देना, सवालों का जवाब देना और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखना है।

दीपावली के पहले बाढ़ पीड़ित परिवारों को तत्काल मिले 10 हजार की सहायता राशिः धनेन्द्र साहू

विश्व केसरी■



नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू ने कहा कि महानदी में आई भीषण बाढ़ तथा गंगरेल बांध से अचानक बड़े पैमाने पर पानी छोड़े जाने के कारण अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के गोबरा नवापारा शहर सहित आसपास के लगभग 15-16 गांवों में भारी तबाही हुई थी। अकेले गोबरा नवापारा शहर में लगभग डेढ़ से दो हजार घर बाढ़ के पानी में डूब गए थे। वहीं आसपास के गांवों में भी सैकड़ों किसानों की धान की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई थीं।

उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी अचानक रात लगभग दो बजे तेजी से बढ़ा, जिसके कारण लोगों को अपने घरों में रखा सामान निकालने तक का अवसर नहीं मिला। घरों में रखा राशन, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, टीवी, फ्रिज, कूलर सहित तमाम इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं अन्य कीमती घरेलू सामान पानी में डूबकर नष्ट हो गए। अनेक परिवारों को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। कई परिवारों के सामने रोजमर्रा के जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है। धनेन्द्र साहू ने कहा कि इस गंभीर समस्या को लेकर बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ धरना-प्रदर्शन भी किया गया था। उस दौरान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ने स्वयं उपस्थित होकर आश्वासन दिया था कि दो-तीन दिनों के भीतर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि का भुगतान कर दिया जाएगा। लेकिन लगभग एक माह बीतने को है, इसके बावजूद आज तक किसी भी प्रभावित परिवार को सहायता राशि प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि जब इस संबंध में एसडीएम से चर्चा की जाती है तो उनका कहना है कि प्रभावित परिवारों के भुगतान का पूरा प्रकरण तैयार कर शासन को भेज दिया गया है, लेकिन शासन से राशि प्राप्त नहीं हो रही है। आखिर गरीब और आपदा पीड़ित परिवार शासन और प्रशासन के बीच कब तक अपनी सहायता राशि का इंतजार करते रहेंगे?

सुनीता पांडेय को शिक्षक प्रतिभा सम्मान



आरंग। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, नवाचार एवं उल्लेखनीय सेवाओं के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोढ़ी की व्याख्याता सुनीता पांडेय को शिक्षक प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया। शिक्षक प्रतिभा अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा बिलासपुर के पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभा भवन में आयोजित भव्य समारोह में उन्हें प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

'ढेरों खुशियां वाली दीपोत्सव पर्व दीपावली' पर जागरूकता शिविर

विश्व केसरी■



नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। समीपस्थ ग्राम डोंगीतराई में सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना रेड रिबन क्लब के तत्वधान में ढेरो खुशियां वाली , दीपोत्सव का पर्व दीपावली पर एक दिवसीय विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस दीपोत्सव जागरूकता अभियान के डॉ.आर के रजक जिला संगठक रायपुर , डॉ श्यामा शांडिल्य, ओमकार निर्मलकर, समयलाल साहू, कुमार साहू, छवि राम साहू, डेमन लाल साहू, दिनेश साहू, नुतेश्वरी, पुष्पा साहू, टीकाराम निर्मलकर, धनेश्वरी साहू, तोरण साहू गणमान्य नागरिक व पंचगण सहित सैकड़ों ग्रामीणों की गरिमामय उपस्थिति रही । स्वयंसेवकों द्वारा गांव में रैली निकाल कर सब साथ मिलकर दिवाली मनायें, हमारी धरती हम ही बचाए, आओ हम दीप जलाएं पटाखे हटाए, दीप ही दीपावली का आधार है, इसके बिना ना दीपावली का त्यौहार है, ऐसे नारों से ग्राम डोंगी तराई गुंजायमान हो गया। स्वयंसेवकों का उत्साह देखने के लिए पूरा ग्राम दौड़ पड़ा दिनेश कुमार ने कहा की स्वयंसेवक बस्ती में जाकर दीपदान का महत्व बतायेंगे और अपने परिवार के साथ मिलकर त्योहार मनाएंगे। अपने परिवार और समाज के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर बिना अधिक पटाखों के उत्साह व उमंग से इस त्यौहार को मनाये। डॉ.आर.के. रजक ने भारतीय संस्कृति व परंपरा में वैज्ञानिकता के साथ दीपावली के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अनेक किवदंतियों से स्वयंसेवकों को अवगत कराया द्य कार्यक्रम के दूसरे चरण में स्वयंसेवकों ने अलग अलग टोली में बटकर ग्राम भ्रमण किया।

नवदीप ग्रुप, लेखिका ग्रुप, कौशल ग्रुप, तमन्ना रजक ग्रुप, दीपेश साक्षी ग्रुप एवं 71 स्वयंसेवकों के द्वारा सामूहिक सुवा नृत्य और राउत नाचा के माध्यम से हर घर में दीपदान , शिक्षा , स्वास्थ्य , अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया द्य स्वयंसेवकों ने 5-5 दीये, रंगोली, लक्ष्मी फोटो भेंट कर बड़े बुजुर्गो , माता, बहनों से आशीर्वाद लिया और शपथ दिलवाया की नशापान नही करेंगे। कार्यक्रम का संचालन मितेश साहू ने और आभार दीपेश सेन ने किया।

मोहम्मद हनीफ पीरित पटेल और रामधन सिदार को भावभीनी विदाई

विश्व केसरी■



बसना (अशोक प्रधान)। बसना विकासखंड के संकुल केंद्र बड़ेटेमरी के शासकीय प्राथमिक शाला छिर्राचुवा के प्रधान पाठक मोहम्मद हनीफ, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला हबेकांटा के (उ व शि) पीरित लाल पटेल और बालक आश्रम शाला छोटेटेमरी के प्रधान पाठक रामधन सिदार को संकुल परिवार बड़ेटेमरी की तरफ से भावभीनी विदाई दी गई।

विदाई समारोह में सर्वप्रथम मां सरस्वती की चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहम्मद हनीफ , पीरित लाल पटेल, रामधन सिदार को संकुल के सभी शिक्षकों द्वारा गुलाल लगाकर, पुष्पहार व पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। तत्पश्चात विदाई समारोह को असीम पाइक प्रधान पाठक डुमरपाली ने मुख्य अतिथिद्वय के साथ बिताए लम्हों को याद करते हुए सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों की उज्वल भविष्य की कामना किया। नोडल प्राचार्य हरेकृष्ण बेहरा ने सेवानिवृत हो रहे शिक्षकों की व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किए। तत्पश्चात संकुल के व्याख्याता कौशिक सामल,पुरुषोत्तम साहू ने भी विदाई समारोह को संबोधित किया विदाई समारोह में उपस्थित सभी की आखें नम हो गई। इसके बाद सेवानिवृत हो रहे प्रधान पाठक मोहम्मद हनीफ , पीरित पटेल और रामधान सिदार ने अपने शिक्षकीय जीवन के अनुभव को साझा किए। तत्पश्चात संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने मोहम्मद हनीफ , पीरित लाल पटेल और रामधन सिदार के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अभिनंदन पत्र का वाचन किया ।

भाविना पटेलः पैरा टेबल टेनिस में रचा इतिहास, पैरालंपिक में देश को दिलाया पहला पदक



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भाविना पटेल का नाम देश की शीर्ष पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शुमार है। भाविना ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक जीतकर देश का नाम दुनियाभर में प्रतिष्ठित किया है।

भाविना पटेल का जन्म 6 नवंबर 1986 को मेहसाणा, गुजरात में हुआ था। वह सिर्फ 12 साल की उम्र में पोलियो का शिकार हो गई, जिससे उनका दायां पैर प्रभावित हो गया। भाविना के माता-पिता ने उनकी शारीरिक अक्षमता को कभी उनकी कमजोरी नहीं बनने दिया और उन्हें कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित किया।

पटेल 2007 में ब्लाइंड पीपल्स एसोसिएशन कंप्यूटर कोर्स करने पहुंची थीं। वहीं पर उन्होंने कुछ बच्चों को टेबल टेनिस खेलते देखा। यहीं से उनके मन में टेबल टेनिस के प्रति रुचि बढ़ी। इसके बाद उन्होंने ललन दोशी के मार्गदर्शन में इस खेल का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। व्हीलचेयर पर बैठकर खेलना आसान नहीं था, लेकिन भाविना ने अपनी हिम्मत और मेहनत से इसे आसान बनाया।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे पहले भाविना ने 2009 में जॉर्डन में हिस्सा लिया। इसके बाद 2011 में थाईलैंड ओपन में चीनी खिलाड़ी को हराकर उन्होंने सिल्वर मेडल जीता था। 2013 में बीजिंग में एशियन पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उन्होंने देश को पहला सिल्वर मेडल दिलाया।

टोक्यो पैरालंपिक 2020 की सफलता ने भाविना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता और पहचान दिलायी। क्लास 4 कैटेगरी के फाइनल में उन्होंने जगह बनाई। फाइनल में उन्हें चीनी खिलाड़ी झोउ यिंग के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा, लेकिन यह मेडल ऐतिहासिक था। भारत को पहली बार पैरा टेबल टेनिस में पैरालंपिक मेडल मिला।

39 साल की भाविना ने 2022 कॉमनेल्थ गेम्स में गोल्ड जीता था। उनके नाम 2018 पैरा एशियन गेम्स में सिल्वर और 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स में कांस्य पदक है। भाविना ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में कांस्य पदक जीता था। 2021 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया था।

शारीरिक अक्षमता के बावजूद भाविना पटेल की सफलता उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो मुश्किलों के बावजूद अपनी जिंदगी में बड़ी सफलता हासिल करना चाहते हैं।



अंडर-19 एशिया कप : कौशिका कुमारसिंघे ने खोला 'पंजा', श्रीलंका ने मलेशिया को 9 विकेट से रौंदा



विश्व केसरी ■

अल अमेरत। एसीसी मेंस अंडर-19 एशिया कप 2026 के पहले मैच में श्रीलंका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 9 विकेट से रौंदा। अल अमेरत क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में मलेशिया से मिले 89 रनों के लक्ष्य को श्रीलंका ने आसानी से 13.5 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका अंडर-19 टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान विरन चमुदिथा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। हालांकि, इसके बाद रेहान पीरिस और सेनुजा वेकुनागोडा ने मोर्चा संभाला और दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 91 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए श्रीलंका को आसान जीत दिलाई।

रेहान ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों में 54 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 7 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, सेनुजा ने 35 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए।

इससे पहले, श्रीलंका के गेंदबाजों के आगे मलेशिया के बल्लेबाजी क्रम ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 28.1 ओवर में 88 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मलेशिया के 10 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके। सिर्फ स्यामिल अकील अकेले टीम की ओर से लड़ाई लड़ते नजर आए। उन्होंने 50 गेंदों का सामना करते हुए 51 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान उन्होंने 7 चौके और 2 छक्के लगाए।

हालांकि, उन्हें दूसरे छोर से बाकी किसी भी बल्लेबाज का साथ नहीं मिल सका। मलेशिया के तीन बल्लेबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। श्रीलंका के गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा।

कौशिका कुमारसिंघे ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 6 ओवर के स्पेल में 30 रन देकर 5 विकेट चटकाए। वह टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

इसके अलावा, विग्नेश्वरन आकाश ने भी अपनी गेंदबाजी से खासा प्रभावित किया। उन्होंने 4.1 ओवर में महज 7 रन खर्च किए और मलेशिया के तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा।

वहीं, चनीरू सेनारत्ने ने भी एक विकेट चटकाया। श्रीलंका ने अंडर-19 एशिया कप का आगाज जीत के साथ किया है। टीम अब अपने अगले मुकाबले में बांग्लादेश से शनिवार (7 नवंबर) को भिड़ेगी। वहीं, मलेशिया का सामना शनिवार को ही अफगानिस्तान से होगा।

डीडीसीए ने टी20 ट्रॉफी के लिए दिल्ली महिला अंडर-23 टीम का किया ऐलान, शिवी शर्मा बनीं कप्तान

Delhi & District Cricket Association

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने टी20 ट्रॉफी 2026-27 के लिए दिल्ली महिला अंडर-23 टीम की घोषणा कर दी है। शिवी शर्मा को इस टीम की कप्तानी सौंपी गई है।

डीडीसीए ने 14 नवंबर से हरियाणा में शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए 16 खिलाड़ियों की टीम का ऐलान किया है। टीम की कमान शिवी संभालेंगी, जबकि परुनिका सिसोदिया को उप-कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस टीम में उभरती हुई प्रतिभाओं का अच्छा मिश्रण है और सभी खिलाड़ी टूर्नामेंट में राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। बुधवार को डीडीसीए की सीनियर महिला चयन समिति की बैठक के बाद इस टीम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में रीमा मल्होत्रा ??(चेयरपर्सन), स्वर्ण चड्ढा (चयनकर्ता), रानी ओझा (चयनकर्ता), अंजलि शर्मा (सदस्य, सीएसी-डीडीसीए), लतिका कुमारी (मुख्य कोच) और अशोक शर्मा (सचिव) शामिल रहे।

शिवी राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगी। उन्हें सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी के लिए भी दिल्ली की टीम में शामिल किया गया है, जहां सोनी यादव टीम की कप्तानी करेंगी और श्वेता सहरावत उनकी डिप्टी (उप-कप्तान) होंगी।

विराट कोहली ने बताया, चैंपियंस ट्रॉफी 2013 के फाइनल में खेली पारी को वनडे करियर की 'सर्वश्रेष्ठ इनिंग'

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने गुरुवार को अपने 38वें जन्मदिन के मौके पर चैंपियंस ट्रॉफी 2013 के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 34 गेंदों में 43 रनों की अपनी पारी को अपनी सर्वश्रेष्ठ वनडे पारी के रूप में चुना है।

38 वर्षीय कोहली क्रिकेट प्रेमी देश की धड़कन बने हुए हैं। वह वनडे क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और अब भारत के लिए केवल इसी फॉर्मेट में खेल रहे हैं। अपने डेब्यू के बाद से ही, 'रन-मशीन' कोहली ने कई ऐसी पारियां खेली हैं जिन्हें देखकर हर कोई उनका कायल हो गया। उन्हें सही मायनों में 'चेज मास्टर' (लक्ष्य का पीछा करने में माहिर) और दुनिया के बेहतरीन वनडे बल्लेबाजों में से एक माना जाता है।

विराट कोहली के सामने अपनी सर्वश्रेष्ठ पारियों को चुनने के लिए कई विकल्प थे, जिनमें एशिया कप 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन, कॉमनवेल्थ बैंक सीरीज 2012 में श्रीलंका के खिलाफ (लसिथ मलिंगा के अपने बेहतरीन फॉर्म में होने के बावजूद) 133 रन, और वर्ल्ड कप 2023 के लीग चरण में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई 85 रनों की महत्वपूर्ण पारी शामिल थी।



कोहली के 38वें जन्मदिन पर 'स्टार स्पोर्ट्स' द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में इस दिग्गज बल्लेबाज ने चैंपियंस ट्रॉफी 2013 के फाइनल में खेली गई 43 रनों की उस अहम पारी को चुना, जिसने इंग्लैंड के खिलाफ भारत को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह पारी एजबेस्टन में बारिश से प्रभावित मैच में खेली गई थी, जहां 20-20 ओवर का मुकाबला हुआ और आसमान में बादल छाए हुए थे। जब लगातार विकेट गिर रहे थे, तब कोहली ने 34 गेंदों में 43 रन बनाए (जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था)। विराट की इस पारी की बदौलत भारत 20 ओवर में 129/7 के स्कोर तक पहुंच सका था और इंग्लैंड को 5 रनों से हराकर खिताब को अपने नाम किया था।

कोहली तब बल्लेबाजी करने आए थे जब टीम का स्कोर 19/1 था। उन्होंने शिखर धवन (31 रन) के साथ 41 रनों की साझेदारी की, लेकिन इसके बाद भारतीय पारी बुरी तरह से लड़खड़ाई गई थी और टीम का स्कोर 66/5 हो गया था। कोहली क्रीज पर डटे रहे और 19वें ओवर में आउट हुए। विराट के अलावा, रवींद्र जडेजा के 33 रनों की मदद से भारतीय टीम 7 विकेट गंवाकर 129 रनों के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही थी।

शेयर किए गए वीडियो में कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ खेली गई अपनी 133 रनों की नाबाद पारी के बजाय, वर्ल्ड कप 2011 फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 35 रनों को चुना। कुछ समय तक यही उनकी पसंद रही, लेकिन बाद में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 43 रनों की पारी को चुना।

विमेंस वनडे वर्ल्ड कप की जीत ने हमें घर-घर में जाना-पहचाना नाम बना दिया: स्मृति मंधाना



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना के मुताबिक घरेलू मैदान पर विमेंस वर्ल्ड कप 2025 जीतने के बाद सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि अब महिला क्रिकेट को काफी सम्मान मिलने लगा है, और खिलाड़ी देश भर में जानी-पहचानी हस्तियां बन गई हैं।

स्मृति ने 'जियोस्टार' से कहा, 'एक तरह से देखा जाए तो बहुत कुछ नहीं बदला है, लेकिन वर्ल्ड कप के बाद पिछले एक साल में महिला क्रिकेट को जो सम्मान मिला है और लोगों की इसमें जो गहरी दिलचस्पी देखने को मिल रही है, वह मेरे लिए वाकई एक सुखद बदलाव है। सभी खिलाड़ियों का घर-घर में जाना-पहचाना नाम बन जाना, सच में बहुत अच्छा लगता है।

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए फाइनल मैच को याद करते हुए, स्मृति ने बताया कि कैसे बारिश के बावजूद फैंस ने होटल के बाहर आकर टीम को विदाई दी थी।

सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने एशियाई पैरा गेम्स के खिलाड़ियों को किया सम्मानित

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली में सेना से जुड़े खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। एशियाई पैरा खेलों में भारतीय सेना के जवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया है। पांचवें एशियाई पैरा खेल 2026 में हिस्सा लेने वाले सेना के नौ खिलाड़ियों में से छह ने पदक अपने नाम किए। इनमें एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक शामिल हैं। इन खेलों में सेना के खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स, तैराकी और चक्का फेंक जैसी स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।



सूबेदार सोलैराज डी, वीएसएम ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक जीतकर देश को बड़ी सफलता दिलाई। वहीं, हवलदार राकेश ने चक्का फेंक और हवलदार कपिल कुमार ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल तैराकी में रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में सूबेदार एच होकाटो सेमा, एवीएसएम ने गोला फेंक में, सूबेदार अजय कुमार ने 400 मीटर दौड़ में और हवलदार प्रदीप कुमार ने चक्का फेंक में पदक हासिल किया।

सेना प्रमुख ने नायक गजेंद्र की पत्नी सिमरन को भी सम्मानित किया। उन्होंने 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में योगदान दिया। इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां इसलिए भी खास हैं, क्योंकि इनमें घायल सैनिकों के दोबारा खेल के मैदान तक पहुंचने का संघर्ष और उनकी मेहनत शामिल है।

भारतीय सेना घायल जवानों के पुनर्वास और उन्हें खेलों में आगे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इसके तहत आर्टिफिशियल लिम्ब सेंटर और स्पाइनल कॉर्ड इंजरी सेंटर, आर्मी पैरालंपिक नोड के साथ मिलकर काम करते हैं। ये केंद्र घायल सैनिकों को विशेष चिकित्सा सुविधा, कृत्रिम अंग, पुनर्वास और खेलों का व्यवस्थित प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हैं। इससे वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनते हैं।

इस अवसर पर सेना प्रमुख ने खिलाड़ियों को तैयार करने वाले प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ के योगदान की भी सराहना की। इनमें एथलेटिक्स प्रशिक्षक सूबेदार बिबिन देव और सूबेदार मुर्तजा, शारीरिक क्षमता एवं फिटनेस प्रशिक्षक हवलदार अविनाश ए तथा आर्मी पैरालंपिक नोड के प्रभारी लेफ्टिनेंट कर्नल दलजीत सिंह शामिल हैं।

बायर्न म्यूनिख के साथ बने रहेंगे हैरी केन, 2029 तक के लिए बढ़ाया कॉन्ट्रैक्ट



विश्व केसरी ■

म्यूनिख। हाल ही में बैलन डी'ओर अवॉर्ड जीतने वाले हैरी केन ने बायर्न म्यूनिख के साथ अपने कॉन्ट्रैक्ट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। क्लब ने गुरुवार को घोषणा की कि इस नए करार के तहत केन 2029 तक इस जर्मन दिग्गज क्लब के साथ बने रहेंगे।

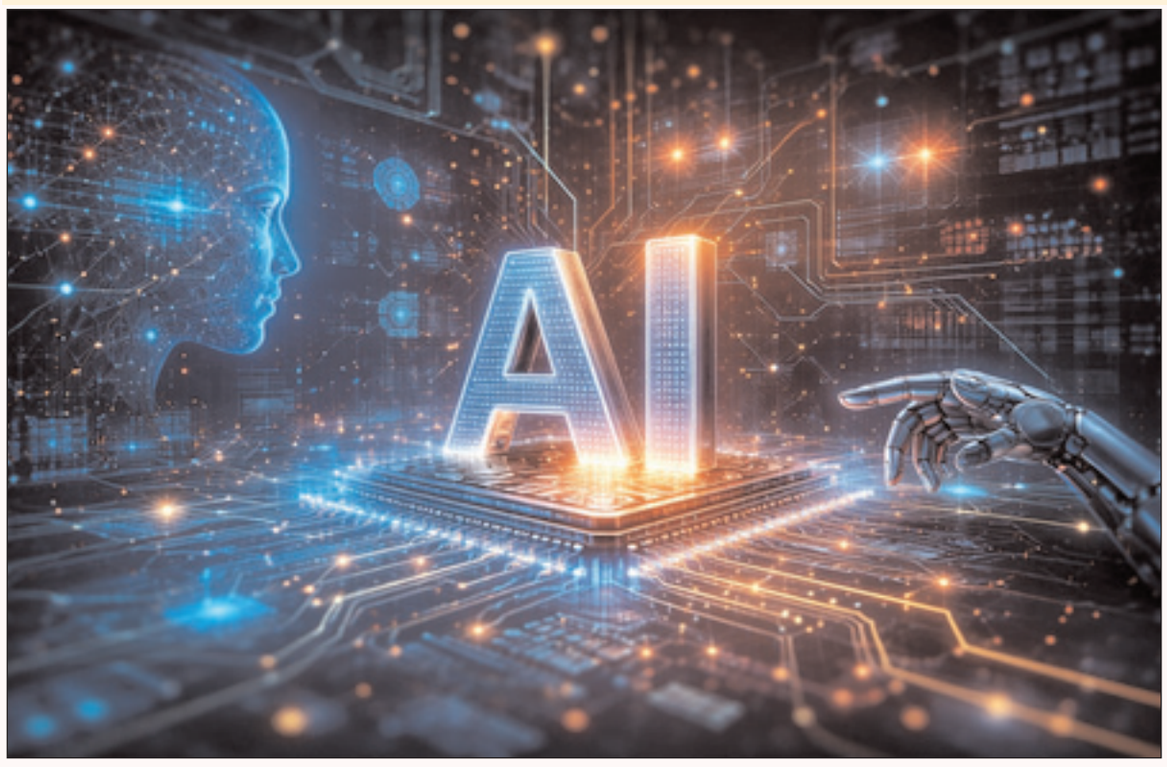
यह करार लैमिन यमल और किलियन एम्बाप्पे को पीछे छोड़कर बैलन डी'ओर जीतने के 10 दिन बाद हुआ है। जर्मन क्लब द्वारा जारी एक बयान में केन ने कहा, 'मैं एफसी बायर्न में बिल्कुल अपने घर जैसा महसूस करता हूं। मुझे यह क्लब, यहां के प्रशंसक और म्यूनिख शहर बहुत पसंद हैं। हमारे पास एक शानदार टीम है और विंसेंट कॉम्पनी के रूप में एक बेहतरीन मैनेजर हैं। इस क्लब का हिस्सा होने पर मुझे बहुत गर्व है। मेरा पूरा परिवार यहां बहुत खुश है। मैं यहीं रुकना चाहता था। अब मैं भविष्य की ओर देख रहा हूं और इस महान क्लब के साथ और भी कई खिताब जीतना चाहता हूं।'

2023 में टोटेनहम हॉटस्पर छोड़ने के बाद से केन ने इस क्लब के लिए 161 मैचों में 156 गोल किए हैं। इंग्लैंड के कप्तान ने पिछले सीजन में 51 मैचों में 61 गोल किए थे। उन्होंने क्लब को बुंडेसलिगा खिताब और डीएफबी-पोकल जिताने में अहम भूमिका निभाई, जिससे क्लब ने लीग और कप दोनों जीते।

क्लब के साथ अपने समय के दौरान केन ने दो बुंडेसलिगा खिताब, एक डीएफबी कप और दो फ्रांज बेकेनबाउर सुपरकप जीते हैं। कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने पर बात करते हुए बायर्न के अध्यक्ष हर्बर्ट हेनर ने इसे एक खास दिन बताया। उन्होंने कहा, 'जो एक बड़े ट्रांसफर के रूप में शुरू हुआ था, वह समय के साथ एफसी बायर्न के इतिहास का एक खास अध्याय बन गया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'हैरी केन फुटबॉल की हर उम्मीद पर खरे उतरे हैं।

वैश्विक स्तर पर एआई स्टॉक्स में गिरावट से भारतीय बाजार विदेशी पूंजी को कर सकता है आकर्षितः उदय कोटक



विश्व केसरी ■

मुंबई। दिग्गज बैंकर उदय कोटक ने गुरुवार को कहा कि अगर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में वैश्विक निवेश की तेजी कमजोर पड़ती है, तो भारत में विदेशी पूंजी का नया प्रवाह आ सकता है।

वर्चुअल संबोधन में कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक ने कहा कि वैश्विक कंपनियों ने एआई से जुड़ी अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज लिया है, जिससे कई मामलों में कंपनियों का मूल्यांकन काफी बढ़ गया है।

कोटक ने कहा, 'अगर यह रुझान पलटता है, तो भारत को नई विदेशी पूंजी के प्रवाह का फायदा मिल सकता है, क्योंकि देश अपनी एआई क्षमताओं का विकास कर रहा है।'

वैश्विक स्तर पर एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर दबाव के बाद भारतीय शेयर बाजार अक्टूबर की शुरुआत के अपने निचले स्तर से करीब 10 प्रतिशत की रिकवरी कर चुके हैं। इसी अवधि में टेक कंपनियों पर केंद्रित एशियाई बाजारों में 7 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

उच्च मूल्यांकन, एआई से जुड़े निवेश के सीमित अवसरों और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के बीच विदेशी निवेशकों ने 2026 में अब तक भारतीय बाजारों से रिकॉर्ड 29 अरब डॉलर की निकासी की है।

कोटक ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के बावजूद घरेलू निवेशकों के लगातार भरोसे की बदौलत भारतीय शेयर बाजार मजबूती से टिके हुए हैं।

उन्होंने कहा कि हालिया गिरावट के बाद दूसरे बाजारों की तुलना में भारत के मूल्यांकन का अंतर कम हुआ है। इससे भारतीय शेयर छह से 12 महीने पहले की तुलना में कम महंगे हो गए हैं। उन्होंने कहा कि देश की मजबूत आर्थिक विकास संभावनाएं अब भी भारत का सबसे बड़ा लाभ हैं।

कोटक ने निवेशकों को सलाह दी कि वे अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के पीछे भागने के बजाय मध्यम अवधि के नजरिये से बेहतर गुणवत्ता वाली कंपनियों और जोखिम प्रबंधन पर ध्यान दें।

वहीं, गुरुवार को भारतीय शेयर बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों प्रमुख सूचकांक 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ क्रमशः 79,465.03 और 24,579.90 के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गए।

कारोबार की शुरुआत में सेंसेक्स 1,609.54 अंक यानी 2.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,910.94 पर खुला, जबकि निफ्टी 417.45 अंक यानी 1.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,378.05 पर खुला था।

प्लांट-बेस्ड उत्पाद डेयरी प्रोडक्ट का विकल्प नहीं, पोषक तत्वों की कमी का खतराः अध्ययन



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। 'वीगन' इन दिनों ट्रेंड में है। ऐसा ट्रेंड जिसमें डेयरी प्रोडक्ट्स की जगह प्लांट-बेस्ड उत्पादों को तरजीह दी जाती है। दुग्ध उत्पादों का विकल्प बादाम, सोया और ओट्स में तलाश लिया गया है। वीगन जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को इसकी प्रमुख वजह माना जाता है। हालांकि एक नए अध्ययन ने इस बदलाव को लेकर चिंता जताई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि डेयरी उत्पादों को पूरी तरह या आंशिक रूप से प्लांट-बेस्ड विकल्पों से बदलने पर शरीर में आयोडीन, कैल्शियम, विटामिन बी12 और राइबोफ्लेविन जैसे जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी हो सकती है।

यह अध्ययन 'द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ' जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसमें ब्रिटेन के बाजार में उपलब्ध 289 प्लांट-बेस्ड उत्पादों का विश्लेषण किया गया। इनमें 146 प्लांट-बेस्ड दूध, 76 दही और 67 पनीर के विकल्प शामिल थे। शोधकर्ताओं ने इन उत्पादों में आयोडीन, कैल्शियम, विटामिन बी12 और विटामिन बी2 (राइबोफ्लेविन) की मात्रा का आकलन किया।

अध्ययन में पाया गया कि इन उत्पादों में पोषक तत्वों की मात्रा और उन्हें अतिरिक्त रूप से मिलाने की प्रक्रिया में काफी अंतर है। जांचे गए उत्पादों में केवल 12 प्रतिशत में आयोडीन, 61 प्रतिशत में कैल्शियम, 46 प्रतिशत में विटामिन बी12 और 19 प्रतिशत में राइबोफ्लेविन मिलाया गया था।

शोधकर्ताओं के अनुसार, डेयरी उत्पादों का एक हिस्सा भी प्लांट-बेस्ड विकल्पों से बदलने पर पोषक तत्वों का सेवन प्रभावित हो सकता है। अध्ययन के मुताबिक, डेयरी उत्पादों की खपत में 20 से 35 प्रतिशत तक की जगह प्लांट-बेस्ड विकल्प लेने पर 14 से 18 वर्ष की लड़कियों में आयोडीन की अपर्याप्त मात्रा का जोखिम 54 प्रतिशत से बढ़कर 65 प्रतिशत हो सकता है।

वहीं, 19 से 49 वर्ष की महिलाओं में यह आंकड़ा 32 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यदि डेयरी उत्पादों को पूरी तरह प्लांट-बेस्ड विकल्पों से बदल दिया जाए तो किशोरियों में आयोडीन की अपर्याप्त मात्रा का जोखिम 80 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है।

कैल्शियम को लेकर भी अध्ययन में चिंता जताई गई है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यदि सभी डेयरी उत्पादों की जगह प्लांट-बेस्ड विकल्प ले लें तो 14 से 18 वर्ष के लड़कों में कैल्शियम की अपर्याप्त मात्रा का जोखिम 30 प्रतिशत से बढ़कर 47 प्रतिशत और लड़कियों में 54 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत हो सकता है।

इसी तरह, विटामिन बी2 की अपर्याप्त मात्रा का जोखिम भी बढ़ सकता है। डेयरी उत्पादों को पूरी तरह बदलने की स्थिति में 19 से 49 वर्ष के पुरुषों में यह आंकड़ा 14 प्रतिशत से बढ़कर 26 प्रतिशत और महिलाओं में 29 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया है।

रोज 5 मिनट करें अर्ध तितली आसन, कूल्हे-पेल्विक में बढ़ेगा ब्लड फ्लो, मिलेंगे ये फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग में ऐसे कई आसन हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत और मन को शांत करते हैं। इन्हीं में से एक है- 'अर्ध तितली आसन'। यह आसन खासतौर पर कूल्हों, जांघों और पीठ के निचले हिस्से को खोलने और लचीला बनाने के लिए किया जाता है।

अर्ध तितली आसन एक आसान और शुरुआती स्तर का योगासन है, जिसे अंग्रेजी में 'हाफ बटरफ्लाई पोज' कहा जाता है। इसमें एक पैर सीधा रखा जाता है जबकि दूसरे पैर को मोड़कर तितली के पंख की तरह चलाया जाता है। यह शरीर की जकड़न को दूर करता है, पाचन को बेहतर बनाता है और मन को शांति देता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, अर्ध तितली आसन एक सरल और प्रभावी बैठने वाला योगासन है।

यह पेट के अंगों को उत्तेजित कर पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

जो लोग लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं, उनके लिए यह आसन किसी वरदान से कम नहीं है। यह शरीर की जकड़न को दूर करता है, पाचन को बेहतर बनाता है और मन को शांति देता है।

अर्ध तितली आसन का अभ्यास करने से कूल्हों और पेल्विक क्षेत्र में रक्त का प्रवाह तेज होता है। दरअसल, जब हम 'अर्ध तितली आसन' में बैठते हैं, तो एक पैर मुड़ा हुआ और दूसरा पैर सामने फैला हुआ होता है। इस स्थिति में कूल्हों के जोड़ पर हल्का खिंचाव पड़ता है। यह खिंचाव वहां जमा हुई जकड़न को खोलता है।

लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने से कूल्हों और पेल्विक एरिया की मांसपेशियां टाइट हो जाती हैं, जिससे वहां खून का प्रवाह धीमा पड़ जाता है। अर्ध तितली आसन इस टाइटनेस को धीरे-धीरे दूर करता है। आसन में बैठने से पेल्विक क्षेत्र की नसों और मांसपेशियों पर हल्का दबाव पड़ता है और छोड़ने पर वहां ताजा ऑक्सीजन युक्त खून तेजी से पहुंचता है।

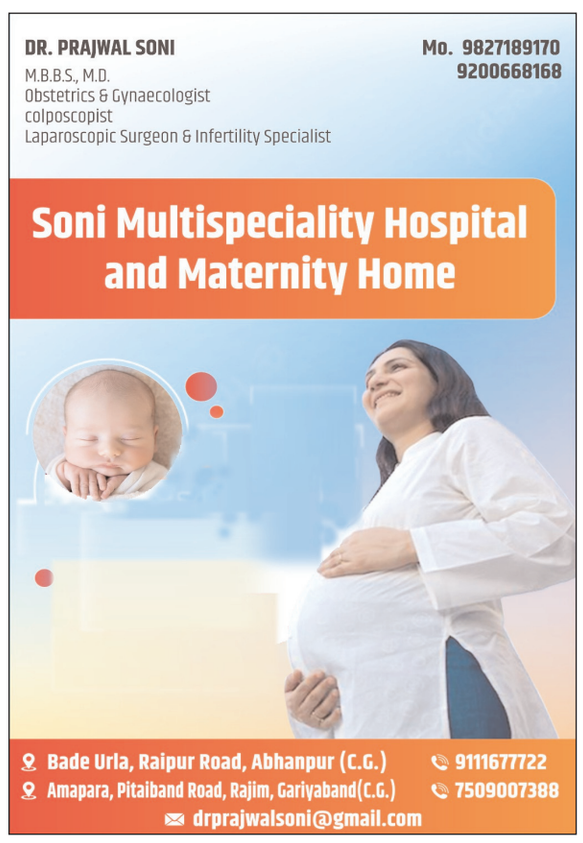
किसी भी व्यक्ति के घुटनों, टखनों या कूल्हों में गंभीर चोट या दर्द है, तो इस आसन को करने से बचें। अभ्यास के दौरान शरीर पर ज्यादा जबरदस्ती या झटका न दें।









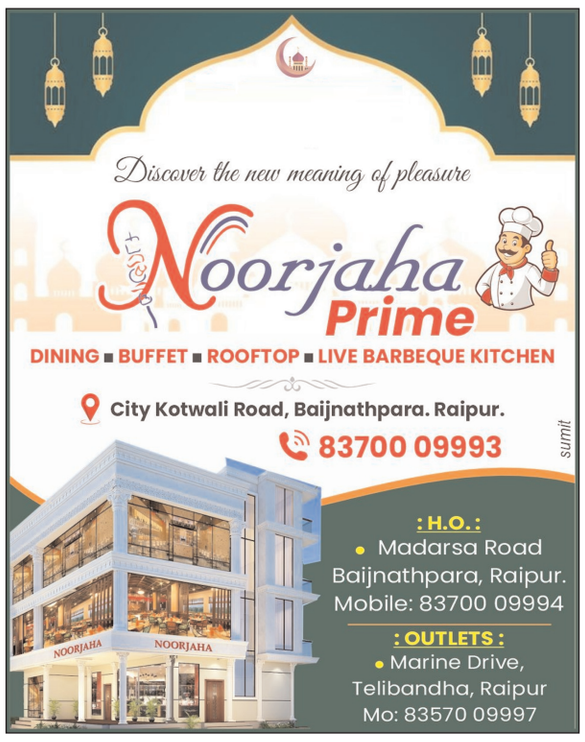












धनतेरस की हार्दिक शुभकामनाएं...

विश्व केसरी

पूर्व सेवा से पेंशन के लिए शीर्ष अदालत पहुंचे शिक्षक

छग के शिक्षकों ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

विश्व केसरी■



जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। पूर्व सेवा तिथि से पेंशन निर्धारण के लिए छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने अब सुप्रीम कोर्ट की शरण ली है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता आशुतोष गढ़े ने बताया कि पूर्व सेवा से पेंशन देने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय, पंजाब, हिमांचल, गुजरात, मध्यप्रदेश एवं अन्य राज्यों के उच्च न्यायालयों से पारित निर्णय का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर की गई है। इस पर दीपावली के बाद सुनवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता आशुतोष गढ़े से छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बस्तर संभाग प्रभारी प्रवीण श्रीवास्तव, जगदलपुर जिला अध्यक्ष लुदरसन कश्यप ने दिल्ली में मुलाकात कर पेंशन याचिका के संबंध में चर्चा की। पूर्व सेवा की गणना हेतु पुरजोर प्रयास करने का निर्णय लिया गया साथ ही पूर्व सेवा के आधार पर पेंशन लेने वाले साथियो से सहयोग करने कहा है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया था कि उन्होंने दशकों तक निरंतर सेवा दी है और पुरानी पेंशन योजना की बहाली के बाद उनकी पिछली सेवाओं को पेंशन के लिए 'अर्हता सेवा' के रूप में गिना जाना चाहिए। मध्यप्रदेश के 1962 - 63 के आदेश एवं सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए पक्ष रखा था। उच्च न्यायालय बिलासपुर ने स्पष्ट किया है कि पेंशन कोई खैरात नहीं, बल्कि एक कल्याणकारी उपाय है और स्थगित वेतन है। याचिकाकर्ताओं द्वारा संविलियन (01.07.2018) से पूर्व दी गई लंबी सेवा को अप्रासंगिक मानकर शून्य नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने निर्देश दिया है कि शासन सेवा की निरंतरता, कार्य की प्रकृति, प्रशासनिक नियंत्रण और संवैधानिक सिद्धांतों (भेदभाव-निषेध और समानुपातिकता) को ध्यान में रखते हुए 120 दिनों के भीतर एक सचेत और कारणयुक्त आदेश जारी करे। न्यायालय के अनुसार, यदि केवल संविलियन तिथि से 10 वर्ष की गणना की जाती है, तो शिक्षक वर्ष 2028 के बाद ही पात्र हो पाएंगे, जबकि वे पहले ही राज्य के नियंत्रण में एक दशक से अधिक सेवा दे चुके हैं। यह न्यायसंगतता, अनुपातिकता और प्रशासनिक तर्कसंगतता के सिद्धांतों के विरुद्ध है।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि हाई कोर्ट ने छत्तीसगढ़ शासन को पूरी सुनवाई के बाद इस सभी विषय के आधार पर पालिसी बनाने कहा था किंतु शासन ने पॉलिसी नही बनाई और अपने पूर्व के आदेश के आधार पर याचिकाकर्ताओं के अभ्यावेदन को अमान्य कर दिया। यह विधिसंगत नही है और यह शिक्षकों के लिए अत्यंत आपत्तिजनक है।













स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय **B-87A** गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251